माघ पूर्णिमा , 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 208 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

01 फरवरी 2026 रविवार

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

नहीं बदला इनकम टैक्स स्लैब, कैंसर की दवाइयां सस्ती
3 आयुर्वेदिक एम्स और 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे

भविष्य के भारत पर फोकस

बजट में रखा गया गरीब, युवा, महिला और किसानों के हितों का ध्यान - मोहन यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि इस बजट में गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। विशेष रूप से, बजट की दिशा और उद्देश्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर करता है। यह आर्थिक विकास को प्राथमिकता देता है... भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं।

नई दिल्ली। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सरकार ने अपनी प्राथमिकताएं तय कर ली हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026 - 27 के लिए आज बजट पेश किया जिसमें सभी वर्गों को साधने की कोशिश की गई है। उन्होंने साफ़ किया कि सरकार का लक्ष्य किसानों, आदिवासियों, महिलाओं और युवाओं तक ग्रोथ पहुँचाना है।

ग्रामीण रोजगार के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना लागू करने का एलान किया गया है। शहरों के लिए अब स्पेशल इकोनॉमिक जोन बनाए जाएंगे। इसके अलावा कैंसर की 17 दवाओं को कस्टम ड्यूटी फ्री किया गया है। वित्त मंत्री ने इस बजट में तात्कालिक लुभावने वादे न कर विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भविष्य पर फोकस किया है। केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई है। देश में बड़े टेक्सटाइल पार्क भी बनाए जाएंगे। दवाइयों के क्षेत्र में 10,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 'बायो-फार्मा शक्ति' योजना शुरू होगी, जिसके तहत तीन नए संस्थान खुलेंगे। चिप मैन्युफैक्चरिंग के लिए भारत अपना सेमीकंडक्टर मिशन ISM 2.0 लॉन्च करेगा। मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स के कलपुर्जे बनाने के लिए बजट बढ़ाकर 40,000 करोड़ रुपए कर दिया गया है। बजट भाषण खत्म होने के साथ ही शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली।

वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि सरकार ने 2021-22 में किए गए अपने वादे को पूरा किया है, जिसके तहत 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को GDP के 4.5% से नीचे लाना था। 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटा 4.4% रहने का अनुमान है।

बजट का सारा सार

- ग्रामीण रोजगार के लिए महात्मा गांधी ग्राम स्वरोजगार योजना
- केरल, तमिलनाडु और ओडिशा में दुर्लभ खनिजों के लिए विशेष कॉरिडोर। इसमें आंध्र प्रदेश को भी जोड़ा जाएगा ताकि खनिज संपन्न राज्यों को फायदा मिले।
- देश में बड़े टेक्सटाइल पार्क बनाए जाएंगे।
- 10 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ 'बायो-फार्मा शक्ति' योजना। तीन नए संस्थान खुलेंगे।
- भारत अपना सेमीकंडक्टर मिशन आईएसएम 2.0 लॉन्च करेगा।
- मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स के कलपुर्जे बनाने के लिए बजट बढ़ाकर 40 हजार करोड़।
- 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान।

31 मार्च तक फाइल हो सकेगा रिवाइज्ड रिटर्न

बजट में इनकम टैक्स को लेकर को कोई बड़ी घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अब 31 दिसंबर की जगह 31 मार्च तक रिवाइज्ड रिटर्न फाइल किया जा सकेगा। वहीं, विदेश रुपए भेजने पर अब 5 के बदले 2 फीसदी टैक्स लगेगा। केंद्र सरकार पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को बदलकर नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लाएगी। ये 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसमें टैक्स रेट्स या स्लैब में कोई बदलाव नहीं है, इसके जरिए सिर्फ टैक्स रिटर्न फाइल करने करने की प्रोसेस आसान बनाई जाएगी। पढ़ाई और इलाज के लिए विदेश पैसे भेजने पर अब कम टैक्स कलेक्शन एट सोर्स लगेगा। विदेशी टूर पैकेज पर लगने वाले 5 और 20 के टीसीएस रेट को घटाकर 2 किया गया है। टैक्स डिडक्शन एट सोर्स नहीं कटवाने के लिए अलग से एप्लिकेशन देने की जरूरत नहीं होगी। नियमों अनुसार अब अगर आप पर इनकम टैक्स नहीं बनता है तो आपका TDS नहीं काटा जाएगा। अभी इसके लिए फॉर्म 15G (60 साल से कम वालों के लिए) या फॉर्म 15H (वरिष्ठ नागरिकों के लिए) जमा करना होता था।

किसान को प्रोत्साहन के उपाय

500 जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास की पहल से मत्स्य पालन क्षेत्र को सुदृढ़ करना।

पशुपालन क्षेत्र में उद्यमशीलता विकास से रोजगार अवसर प्रदान करना।

नारियल प्रोत्साहन योजना उत्पादन को बढ़ाएगी और 1 करोड़ किसानों समेत 3 करोड़ लोगों को सहायता प्रदान करेगी।

भारतीय काजू और भारतीय कोको को 2030 तक प्रीमियम ग्लोबल ब्राण्ड बनाना।

बहु भाषीय एआई टूल किसानों की उत्पादकता को बढ़ाएगा और विशिष्ट सलाह प्रदान करके किसानों को बेहतर निर्णय लेने और जोखिम को कम करने में मदद करेगा।

पर्यटन और स्किल डेवलपमेंट

आईआईएमएस के सहयोग से 12 सप्ताह का विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। इस योजना के तहत 10,000 टूरिस्ट गाइड्स को आधुनिक स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस योजना को अखिल भारतीय संस्थानों से जोड़ने का उद्देश्य यह है कि प्रोफेशनल गाइड तैयार हो सकेंगे। पर्यटन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लक्ष्य के साथ शिक्षा और क्रिएटिव क्षेत्र को बढ़ावा। मुंबई स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज को सहायता। हर जिले में छात्राओं के लिए हॉस्टल।

शिक्षा संस्थानों में कंटेंट क्रिएटर लैब

देश को सोशल मीडिया प्रोफेशनल्स की जरूरत है। उन्होंने बताया कि यह एक बढ़ती हुई इंडस्ट्री है और 2030 तक देश को ऐसे 20 लाख प्रोफेशनल्स चाहिए। वित्त मंत्री ने इसे ध्यान में रखते हुए एक नई स्कीम का ऐलान किया है जिसके तहत 15000 माध्यमिक स्कूलों में कॉन्टेंट क्रिएटर्स तैयार करने के लिए लैब्स बनाई जाएंगी। यह काम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी की देखरेख में किया जाएगा जिसे सरकार सीधे समर्थन देगी। स्कूलों और कॉलेजों में कॉन्टेंट क्रिएटर लैब्स तैयार होंगी। इससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और भारत 'कॉन्टेंट हब' के रूप में स्थापित होगा। सोशल मीडिया आज सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक उभरती हुई इंडस्ट्री है जिसमें डेटा एनालिटिक्स, ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। उल्लेखनी है कि कंटेंट क्रियेटर को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार पहले ही कदम उठा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी देश में काम कर रहे क्रियेटर से मिल चुके हैं।

इन बड़े क्षेत्रों पर रहेगा सरकार का फोकस

रणनीतिक मैन्युफैक्चरिंग- नए और जरूरी क्षेत्रों में उत्पादन की क्षमता बढ़ाना।

पुराने उद्योग- पुराने पड़ चुके औद्योगिक क्षेत्रों को दोबारा जीवित करना।

छोटे उद्योग - छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्लोबल चैंपियन बनाना।

इंफ्रास्ट्रक्चर- सड़कों, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचे को जबरदस्त मजबूती देना।

सुरक्षा और स्थिरता- देश में लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।

शहरों का विकास- शहरों को व्यापार और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करना।

केमिकल्स और कैपिटल गुड्स: आयात पर निर्भरता कम करने के लिए केमिकल सेक्टर में तीन विशेष केमिकल पार्क स्थापित किए जाएंगे। ये पार्क क्लस्टर आधारित मॉडल पर विकसित किए जाएंगे, जिससे उत्पादन लागत घटेगी और प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

बायोफार्मा शक्ति: स्वास्थ्य क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग को नई दिशा देने के लिए वित्त मंत्री ने 'बायोफार्मा शक्ति' योजना की घोषणा की. इस योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

लखपति दीदी से लेकर शी मार्ट्स तक

लखपति दीदी योजना : केंद्र सरकार ने लखपति दीदी योजना को जारी रखने की भी घोषणा की है। इस योजना के तहत महिलाओं से जुड़े स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक का ब्याज रहित लोन दिया जाता है, जिससे वो आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। इस लोन पर महिलाओं को सरकारी सब्सिडी भी मिलती है।

'शी मार्ट्स' की घोषणा: वित्त मंत्री ने 'शी मार्ट्स' की घोषणा की है। ये मार्ट्स स्वयं सहायता उद्यमियों की ओर से संचालित किया जाएगा और रीटेल आउटलेट के रूप में ऑपरेट करेगा। केंद्र सरकार की इस नई स्कीम का उद्देश्य महिला उद्यमियों की पहुंच बड़ी बाजार तक सुनिश्चित करना है। इसके तहत महिलाएं न सिर्फ अपना खुद का ब्रांड बना सकेंगी, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। इससे स्थानीय स्वयं सहायता समूह भी मजबूत होंगे। हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलने की घोषणा देश के लगभग 700 से ज्यादा जिलों में छात्राओं के रहने के लिए गर्ल्स हॉस्टल की नींव रखी जाएगी।

सस्ता

- **दवाइयां :** 17 दवाइयों पर कस्टम ड्यूटी घटाई गई है, जिनमें डायबिटीज और कैंसर के मरीजों के लिए जरूरी दवाएं भी शामिल हैं।
- **इलेक्ट्रिक व्हीकल्स:** EVs को बढ़ावा देने के लिए टैक्स में राहत दी गई है।
- **लेदर प्रोडक्ट्स:** लेदर एक्सपोर्ट को सपोर्ट करने के लिए कुछ इनपुट्स पर ड्यूटी-फ्री इंपोर्ट की सुविधा दी गई है।
- **एयरक्राफ्ट और माइक्रोवेव पार्ट्स:** इन पर भी कस्टम ड्यूटी कम की गई है।
- **इंपोर्टेड पर्सनल आइटम्स:** कुछ व्यक्तिगत इस्तेमाल की चीजें अब कम टैरिफ पर मिलेंगी।
- **स्मार्टफोन और टैबलेट्स:** भारत में बने मोबाइल और टैबलेट्स की कीमतें घटने की उम्मीद है।

महंगा

- **लग्जरी घड़ियां:** लग्जरी घड़ियों पर अब ज्यादा टैक्स लगेगा।
- **इम्पोर्टेड शराब:** विदेशी शराब की कीमतें बढ़ेंगी क्योंकि इस पर ड्यूटी बढ़ाई गई है।
- **कॉफी मशीन:** कॉफी रोस्टिंग, ब्रूइंग और वेंडिंग मशीनों पर मिलने वाली छूट हटा दी है। अब कॉफी मशीनें पहले से महंगी पड़ेंगी।

चुनौतियों के आगे लोकल से ग्लोबल का बजट

केंद्र सरकार के इस बजट ने उन आयकरदाताओं को निराश किया है जो आयकर में बजट स्लैब में बढ़ोत्तरी की उम्मीद लगाए बैठे थे। लेकिन एक अप्रैल से प्रस्तावित नया आयकर अधिनियम लागू होने के बाद आयकर दाताओं को टैक्स भरने की प्रक्रिया में सरलता के साथ छोटी मोटी गल्ती पर सजा या कड़े जुर्माने के प्रावधान को खत्म करके बड़ी राहत दी गई है। नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार का यह बजट लोकल से लेकर ग्लोबल तक की चुनौतियों को अपने दामन में समेटे हुए है। ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए वैकल्पिक उपायों को जमीन पर उतारकर विदेशों से व्यापार में घाटा कम करने को ध्यान में रखा गया है। आयात-निर्यात के घाटे के बजाए ट्रेड प्लस बनाने की कवायद है। सियासत के लिहाज से बंगाल से लेकर असम और केरल से लेकर तमिलनाडू तक को खुश करने की कोशिश भी की गई है, जहां इसी साल विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना लागू करके कांग्रेस के मनरेगा से बापू का नाम हटाने को लेकर किए जा रहे विरोध को भी निस्तेज करने की कोशिश की है। छोटे कारोबारियों और छोटे शहरों में उद्योगों को बढ़ावा देने की कवायद भी साफ देखी जा सकती है। मोबाइल बैटरी से लेकर बैटरी चलित वाहन और सोलर पैनलों से लेकर बायोगैस वाली सीएनजी के दामों में कमी भी कार्बन रेटिंग और प्रदूषण को कम करने के लिहाज से सस्ती की गई है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लेदर के जूतों से लेदर सामग्री और टेक्सटाइल सेक्टर में वियतनाम जैसे दूसरे प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले संभावनाओं को बेहतर करने की कोशिश की गई है। हर जिले में खादी और हेंडलूम के कपड़ों के एक कुटीर उद्योग का हब बनाकर बापू के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने की मंशा भी इसमें निहित है। बजट में भारत में मैन्युफेक्क्रिरिंग सेक्टर से लेकर फार्मा सेक्टर को भी निर्यात बढ़ाने के लिहाज से बेहतर किया जा रहा है। मछली के निर्यात से लेकर खानपान की चीजों के निर्यात को बढ़ावा देने की नियत भी बजट में साफ देखी जा सकती है। देश में बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर भी पूरे देश में कई योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं। बजट घाटे को जीडीपी के मुकाबले 4.5 से घटाकर 4.4 करने का संकल्प भी व्यक्त किया गया है। कुल मिलाकर यह बजट लोकल से लेकर ग्लोबल तक रोजगार और कारोबार की संभावनाओं को समेटे हुए है। यह जमीन पर कितना और किस हद तक साकार होता है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

रेयर अर्थ मिनरल कॉरिडोर के होंगे दूरगामी फायदे... चीन पर नहीं रहेगी निर्भरता

नईदिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा भारत के दक्षिणी राज्यों में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने की घोषणा के दूरगामी मायने हैं। इसके तहत ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे खनिज समृद्ध राज्यों को माइनिंग, प्रोसेसिंग, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग के लिए बढ़ावा दिया जाएगा। रेयर अर्थ मिनरल्स 17 तत्वों का एक समूह है जो स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर फाइटर जेट तक की जान है। मौजूदा वक्त में दुनिया में कुल रेयर अर्थ प्रोडॉक्शन पर चीन का दबदबा रहा है। दुनिया भर में रेयर अर्थ के प्रोडॉक्शन के मामले में चीन की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी है। यही वजह है कि अमेरिका और भारत समेत पूरी दुनिया में रेयर अर्थ के नए भंडार खोजने और उनके प्रोडॉक्शन के लिए होड़ मची है। सरकार की इस पहल का मकसद रणनीतिक मटीरियल के लिए भारत की सप्लाई चेन को मजबूत करना, क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करना और राज्य को एडवांस्ड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के लिए एक मुख्य केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसके साथ ही चीन पर निर्भरता कम हो सकेगी।

समुद्री तटों पर हैं रेयर अर्थ के भंडार

रेयर अर्थ कॉरिडोर केरल के विझिंजम पोर्ट को चावरा और कोच्चि से जोड़ेगा। वहीं, चावरा में एक डेडिकेटेड सेंटर बनाया जाएगा। कॉरिडोर बनने से 42 हजार करोड़ का निवेश आने और 50 हजार नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। केरल में रेयर अर्थ एलिमेंट मुख्य रूप से मोनाजाइट है, जो समुद्री तटों पर रेत के डिपॉजिट से मिलते हैं। ये थोरियम और दूसरे रेयर अर्थ ऑक्साइड से भरपूर होते हैं। अलुवा के उद्योगमंडल में IREL का रेयर अर्थ्स डिवीज़न इन्हें प्रोसेस करता है, जिससे लैंथेनम, सेरियम, नियोडिमियम, प्रेजोडिमियम, समारियम, यूरोपियम, गैडोलिनियम और यट्रियम जैसे एलिमेंट मिलते हैं।

बहुमुखी प्रतिभा संपन्न साहित्यकरों का सम्मान

संघर्ष के दौर में संवाद और संवेदना का सेतु बन सकता है साहित्य

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था अंतर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का बारहवां राष्ट्रीय सम्मेलन एवं हेमंत स्मृति कविता सम्मान का 25 वां समारोह आयोजित किया गया। तीन सत्रों, अलंकरण, लघुकथा और काव्य सत्र में कार्यक्रम हुए।

मंच की संस्थापिका व राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. संतोष श्रीवास्तव ने स्वागत वक्तव्य दिया। हेमंत फांउडेशन की संस्थापक - सचिव डॉ. प्रमिला वर्मा ने 'कवि हेमंत का परिचय' दिया। इस अवसर पर कैलाश चंद्र पंत को पद्मश्री मिलने तथा डॉ संजीव कुमार को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर संस्था द्वारा अभिनंदन किया गया। कैलाश चंद्र पंत ,मुख्य अतिथि प्रेम जनमेजय, रामस्वरूप दीक्षित, ऋषि कुमार शर्मा, डॉक्टर नुसरत मेहंदी एवं राजेश श्रीवास्तव के द्वारा देश विदेश से चयनित साहित्यकारों को साहित्य की विभिन्न विधाओं कला, पर्यावरण, और समाज सेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। जिनमें डॉ. अलका अग्रवाल, श्रीमती शकुंतला मित्तल, डॉ. विद्या सिंह, डॉ. रानी श्रीवास्तव, श्री सुनील दुबे वृक्षमित्र,श्री शंकारानंद, श्रीमती कुसुम भट्ट , श्रीमती रजनी गुप्त, श्रीमती जया आर्या, श्रीमती एकता अमित व्यास,श्रीमती रत्ना पांडेय, श्रीमती आशा सिंह गौर, श्री देवेंद्र श्रीवास्तव, श्री बद्र वास्ती शामिल थे।

मुख्य अतिथि प्रेम जनमेजय ने कहा- ऐसे समय में जब सम्मान विपरीत अर्थ दे रहा हो, सम्मान समारोह का आयोजन बड़े जोखिम का काम है। संतोष श्रीवास्तव ये जोखिम प्रतिवर्ष उठाती हैं।सम्मान स्वयं को मिले तो उचित होता है और दूसरे को मिले तो जुगाड़! विशिष्ट अतिथि राम स्वरूप दीक्षित ने कहा- आज जब साहित्य के लिए जगहें सिमटती , सिकुड़ती जा रही हैं, तब बिना किसी संसाधन और सरकारी या गैर सरकारी सहायता के ऐसा राष्ट्रीय आयोजन कर ले जाना बहुत मायने रखता है। हेमंत स्मृति कविता पुरस्कार के अलावा साहित्य और समाज के लिए काम करने वाले लोगों को इस आयोजन में पुरस्कृत करना इसे एक बहुउद्देशीय और बहुअर्थी आयोजन बनाता है।

विशिष्ट अतिथि ऋषि कुमार शर्मा ने कहा - आज जब दुनिया अनेक विभाजनों, संघर्षों और असहमतियों से जूझ रही है, तब साहित्य मैत्री, संवाद और संवेदना का सेतु बन सकता है। विभिन्न देशों, भाषाओं और संस्कृतियों से आए रचनाकारों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि भावनाएँ सार्वभौमिक होती हैं और रचनात्मकता किसी सीमा में बंधी नहीं होती। कलम तलवार से अधिक शक्तिशाली होती है, क्योंकि वह दिलों को जोड़ती है। अलंकरण सत्र का संचालन संस्था महासचिव मुजफ्फर सिद्दीकी एवं धन्यवाद ज्ञापन जया केतकी ने किया।

द्वितीय सत्र, लघुकथा सत्र की अध्यक्षता श्रीमती कांता राय ने की। विशिष्ट अतिथि डा.शरद सिंह एवं डा.क्षमापाण्डेय उपस्थित थे। लघुकथा सत्र में गोकुल सोनी, डॉ. विद्या सिंह,सुश्री शकुंतला मित्तल, सुश्री मनवीन कौर, डॉ. शुभ्रा ,सुश्री मनोरमा, श्री सत्येन्द्र सिंह, सुश्री मृदुल त्यागी, ,सुश्री सरोजलता सोनी,सुश्री लता तेजेश्वर, डॉ. अलका अग्रवाल ने सहभागिता दी और उत्कृष्ट रचनाएं पढ़ीं। इस सत्र का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। तीसरे और अंतिम, कविता पाठ सत्र के मुख्य अतिथि संजीव कुमार, इकबाल मसूद एवं डॉ संजय सक्सेना थे। सारस्वत अतिथि कर्नल गिरिजेश सक्सेना थे।

कविता सत्र में सुश्री आशा सिंह गौर, विजयकांत वर्मा, आबिद काजमी, साकेत सुमन चतुर्वेदी,डॉ रत्ना पांडेय, रूबी मोहंती, मनोज अबोध, रमा त्यागी, के पी गुप्ता, विपिन पवार, राजेन्द्र गट्टानी,सुश्री जया विलतकर, डॉ. रेणु श्रीवास्तव सुश्री अभिलाषा श्रीवास्तव, जया आर्य, सुश्री मधूलिका सक्सेना, सुश्री चँदा पालीवाल,सुश्री वंदना त्रिपाठी, राजकुमारी चौकसे,सुश्री कांति श्रीवास्तव,ब्रजभूषण मिश्र, अशोक व्यग्र ने कविता पाठ किया। इस सत्र का संचालन डा. विनीता राहुरीकर और धन्यवाद ज्ञापन रानी सुमिता ने किया।

नए निर्माण पर भी प्रतिबंध... बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई होने से भू-जल स्तर गिरा

प्राकृतिक जलस्रोत से छेड़छाड़ पर एनजीटी सख्त बेतवा के मुहाने पर बना कंक्रीट का ढांचा तोड़ना होगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बेतवा नदी के उद्गम स्थल पर बने कंक्रीट के ढांचे सहित अन्य निर्माणों को तोड़ना होगा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की भोपाल बेंच ने इसका आदेश दिया है। संबंधित विभागों को इस तरह के निर्माण के लिए फटकार लगाते हुए अधिकरण ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो बेतवा नदी का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। पुराणों में वर्णित वेत्रवती यानी बेतवा भोपाल के पास रायसेन जिले के झिरी गांव के जंगल से निकलती है। करीब 610 किमी की दूरी तय कर यह उत्तर प्रदेश में हमीरपुर के पास यमुना में मिल जाती है। यह नदी बुंदेलखंड की जीवनरेखा है।

बता दें पिछली गर्मियों में यह नदी उद्गम स्थल पर ही सूख गई थी। भोपाल के पर्यावरण कार्यकर्ता राहुल शर्मा ने एनजीटी में याचिका दायर कर संरक्षण की मांग की थी। एनजीटी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और रायसेन कलेक्टर के प्रतिनिधियों से एक संयुक्त समिति गठित करने का निर्देश दिया था। समिति ने पाया कि झिरी गांव स्थित बेतवा के उद्गम स्थल को स्थानीय प्रभावशाली लोगों के हस्तक्षेप से मिट्टी, मलबे और कंक्रीट से ढककर बंद कर दिया गया, जिससे नदी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हुआ है। आसपास बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की गई है, जिससे भूजल स्तर गिरा है और मृदा अपरदन बढ़ा है। वहां कटे हुए पेड़ों के ठूंठ भी मिले हैं। समिति ने स्थल निरीक्षण के दौरान उद्गम क्षेत्र में कई अवैध निर्माण भी पाए।

एनजीटी ने यह कहा: अधिकरण ने कहा कि धार्मिक आस्था के नाम पर प्राकृतिक जलस्रोतों से छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है। प्रकृति को उसके प्राकृतिक रूप में रहने देना ही उसके संरक्षण का एकमात्र तरीका है। बेतवा के उद्गम को नुकसान पहुंचाना पर्यावरण संरक्षण अधिनियम का गंभीर उल्लंघन है।

अब यह करना होगा: एनजीटी ने सभी अवैध कंक्रीट संरचनाओं को हटाने के साथ ही नए निर्माण और अतिक्रमण पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। नदी को पुनर्जीवित करने के लिए तीन साल की वैज्ञानिक कार्ययोजना को लागू करने, 118 परकोलेशन टैंक, 3000 घन मीटर के चेकडैम और कंटूर ट्रेंच का निर्माण करना होगा। वहीं मियावाकी तकनीक से दो हेक्टेयर क्षेत्र में सघन मिश्रित वन लगाने का निर्देश दिया गया है।

वाहनों पर भी रोक लगाने की सिफारिश: समिति ने अपनी अनुशंसा में झिरी क्षेत्र में लोगों को केवल पैदल प्रवेश देने की अनुशंसा की है। कहा गया है कि उद्गम स्थल क्षेत्र में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाए और वाहनों को मुख्य रास्ते पर ही रोका जाए। इसके लिए जेड आकार के गेट लगाना उचित होगा। सभी प्राकृतिक जलधाराओं को संरक्षित करने और मानव हस्तक्षेप से दूर रखने की सलाह दी गई है।

बेतवा के प्रदूषण पर भी सख्ती: अधिकरण ने रायसेन, विदिशा और निवाड़ी जिलों के कलेक्टर को नदी की जल गुणवत्ता की नियमित जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसमें जिले में प्रवेश और निकासी दोनों स्थलों पर पानी की जांच की जाएगी। साथ ही प्रत्येक जिले में कैचमेंट क्षेत्र सुधार की अलग कार्ययोजना बनाने को कहा है। पर्यावरणविदों का कहना है कि कंक्रीट के ढांचों की वजह से ही जल का भूमिगत स्रोत प्रभावित हो रहा है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और क्षेत्र में अवैध निर्माण की वजह से जलस्तर नीचे जा रहा है। पिछली बार गर्मियों में मुख्य जलस्रोत से पानी निकलना ही बंद हो गया था। दो दिन पहले भी नदी के उद्गम स्थल पर जलधारा बेहद कमजोर हो गई थी।

बिजनेस समिट में जुटे स्टार्टअप लीडर्स

पहले दिन हुए 800 से अधिक बिजनेस रेफरल पास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टार्टअप इकोसिस्टम, निवेश और नेटवर्किंग को नई दिशा देने के उद्देश्य से बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल (बीएनआई) भोपाल चैप्टर की ओर से एमपी बिजनेस नेटवर्किंग समिट का शुभारंभ हुआ। यह दो दिवसीय समिट प्रधानमंत्री के विजन 2047 और मुख्यमंत्री की अभ्युदय मप्र की परिकल्पना को जमीन पर उतारने की दिशा में एक पहल है। चार अलग-अलग राउंड में हुए इन सत्रों के दौरान 800 से अधिक बिजनेस रेफरल पास हुए, जिससे आने वाले समय में बड़े निवेश और व्यापारिक साझेदारियों की संभावनाएं बनीं।

वन विहार रोड स्थित एक होटल में आयोजित इस समिट में देशभर से 25 से अधिक राष्ट्रीय स्तर के स्पीकर्स, इंडस्ट्री लीडर्स, इन्वेस्टर्स और बिजनेस नेटवर्क्स ने सहभागिता की। कार्यक्रम में स्टार्टअप्स, एमएसएमई, कॉरपोरेट प्रोफेशनल्स और उद्यमियों को एक साझा मंच मिला, जहां उन्होंने न केवल अपने बिजनेस मॉडल प्रस्तुत किए, बल्कि बिजनेस रेफरल एक्सचेंज के जरिए संभावित साझेदारियों की नींव भी रखी। समिट के उद्घाटन अवसर पर मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव एम। सेलवेन्द्रम, पश्चिम मध्यप्रदेश सब एरिया के जीओसी मेजर जनरल विकास लाल, शिक्षाविद् प्रवीण ठकराल, स्वदेशी जागरण मंच के सुधीर दाते, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल मोनीष आहूजा, बीएनआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रदीप करम्बेलकर और एमपी बिजनेस नेटवर्किंग समिट के चेयरपर्सन अभिषेक शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्टार्टअप्स को नवाचार, तकनीक और नेटवर्किंग के माध्यम से तेजी से आगे बढ़ने का संदेश दिया। समिट के पहले दिन का मार्केट प्लेस सत्र स्टार्टअप्स और इन्वेस्टर्स के लिए सबसे बड़ा आकर्षण रहा। इस रैपिड-फायर फॉर्मेट में पॉलिसी मेकर्स, इन्वेस्टर्स और स्टार्टअप फाउंडर्स ने राउंड टेबल चर्चाओं के दौरान अपने बिजनेस आइडियाज, स्केलेबिलिटी मॉडल और ग्रोथ स्ट्रेटजी साझा की।

चैंबर चुनाव में वोटिंग शुरू

गोयल और पाली के बीच मुकाबला, नतीजे कल आएंगे

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) के चुनाव के लिए सुबह 8 बजे से वोटिंग जारी है। मतदान शाम 5 बजे तक चलेगा। दो घंटे में 212 लोगों ने मतदान किया है। अध्यक्ष पद के लिए गोविंद गोयल और तेजकुलपाल सिंह पाली के बीच सीधा मुकाबला है। करीब 170 सदस्यों की टीम मतदान प्रक्रिया संपन्न कराएगी। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। पर्यवेक्षक डॉ. पीसी कोठारी ने बताया, पॉलीटेक्निक कॉलेज चौराहा स्थित मानस भवन में वोटिंग हो रही है। यहां कुल 20 बूथ बनाए गए हैं। 2 विशेष बूथ हैं, जो दिव्यांजन और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए हैं। ताकि, उन्हें वोट डालने में कोई दिक्कत न हो। वे इंट्री पाइंट पर ही वोट डाल सकेंगे। मेडिकल टीमें भी तैनात की गई हैं। कुल 2236 मतदाता हैं। इसमें से करीब 90 मतदाता पहले वोट डाल चुके हैं। ये वो मतदाता है, जो रविवार को कहीं बाहर जाने वाले थे और मतदान वाले दिन यहां मौजूद नहीं है। पर्यवेक्षक डॉ. कोठारी ने बताया, फर्जी तरीके से मतदान कराने पर श्यामला हिल्स थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इसलिए चेकिंग और सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। चुनाव में 12 पदाधिकारी और 24 सदस्यों के लिए कुल 60 उम्मीदवार मैदान में हैं। वोट डालने आने वाले मतदाता को कोई भी एक परिचय पत्र लाना होगा। इसमें आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि फोटोयुक्त परिचय पत्र हो सकता है। वोटिंग के बाद मत पेटियां श्यामला हिल्स थाने में जमा कराई जाएगी।

प्रगतिशील पैनल से उम्मीदवार: अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पानी, उपाध्यक्ष कमल पंजवानी, प्रदीप कुमार अग्रवाल, सुनील सिंघई, महामंत्री ललित तांते, मंत्री अमित कुमार जैन, मनोज सक्सेना, कोषाध्यक्ष घनश्यामदास थारानी, अतिरिक्त कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता हैं।

भोपाल को राष्ट्रीय स्तर का लॉजिस्टिक हब बनाएंगे

उन्नति पैनल के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार गोविंद गोयल ने कहा कि चैंबर और व्यापारिक समुदाय में जातिवाद और वर्गभेद की सोच पनप रही है। इससे हमारी एकता और सामूहिक विकास को खतरा है। एक-दूसरे के सम्मान और सहयोग से ही व्यापारियों की आवाज मजबूत होगी। गोयल ने कहा कि भोपाल को राष्ट्रीय स्तर का लॉजिस्टिक हब बनाने, थोक फार्मा और मेडिकल ट्रेड का केंद्र विकसित करने का लक्ष्य है। युवा व्यापारियों के लिए स्टार्टअप, नए सेक्टर में निवेश से जुड़े सेमिनार करने की योजना भी रखी गई है। वहीं प्रगतिशील पैनल के अध्यक्ष प्रत्याशी तेजकुलपाल सिंह पाली ने बताया कि चैंबर में करीब 6 हजार सदस्य हैं, लेकिन 2200 से अधिक सदस्यग तिविधि शुल्क जमा न होने के कारण मताधिकार से वंचित हैं। चुनाव जीतने के बाद ऐसे सदस्यों के लिए वन टाइम सेटलमेंट लागू करने और गतिविधि शुल्क कम करने का प्रस्ताव रखा गया है। ताकि, सभी व्यापारियों को मुख्य धारा में जोड़ा जा सके। जीएसटी, आयकर और नगर निगम से जुड़े मामलों के लिए चैंबर में स्थायी हेल्प डेस्क बनाई जाएगी।

देवांश चौधरी का स्टार्टअप भोपाल चैप्टर में विजेता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एंटरप्रेन्योर्स ऑर्गनाइजेशन (ईओ) द्वारा एआईसी- आरएनटीयू फाउंडेशन के सहयोग से ईओ ग्लोबल स्टूडेंट इंटरप्रेन्योर अवार्ड (जीएसईए) 2025-26 भोपाल चैप्टर के फिनाले का आयोजन किया गया। इसमें स्टूडेंट इंटरप्रेन्योर्स को अपने स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत करने तथा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मंच प्रदान किया। भोपाल के देवांश चौधरी का स्टार्टअप फ़ॉसिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड विजेता रहा। उन्हें पुरस्कार में 50,000 की राशि दी गई।

उपविजेता शुभम द्विवेदी का स्टार्टअप फ्रायट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड रहा जिन्हें पुरस्कार में 30,000 की राशि दी गई। द्वितीय उपविजेता सागर पटेल का स्टार्टअप न्यूवे बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड रहा जिन्हें पुरस्कार में 20,000 की राशि दी गई। ग्लोबलस स्टूडेंट इंटरप्रेन्योर अवॉर्ड के चेयरमैन डॉ। सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि इस प्रतियोगिता में उभरते तकनीकी क्षेत्रों की भागीदारी ने शहर को नवाचार,उद्यमिता में पहचान दिलाई है। अब देवांश और शुभम नेशनल फिनाले में अपने स्टार्टअप्स के साथ भोपाल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

मानव संग्रहालय में मिलेट्स और पारंपरिक भोजन का उत्सव

मिलेट्स से बनाए नूडल्स और स्नैक्स

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मानव संग्रहालय परिसर में आयोजित मिलेट्स और ट्रेडिशनल फूड फेस्टिवल में देश के कई राज्यों के आदिवासी समुदायों ने पारंपरिक खेती और मोटे अनाज से बने उत्पाद प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में उत्तराखंड, महाराष्ट्र, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के व्यंजन और उत्पाद दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बने। महोत्सव में कोदो, कुटकी, ज्वार, मड़िया, कंगनी, बाजरा, मक्का और कुलथ की कई किस्में देखने को मिली दी । साथ ही इन अनाजों से बने कुकीज, दलिया, सत्तू, पापड़, बड़ी और न्यूट्रिमिक्स जैसे उत्पाद भी विक्रय के लिए रखे गए हैं।

संग्रहालय में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में श्री जानकी बैंड ऑफ विमेन ने लोक गीतों और कविताओं से मंच को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में नर्मदा मैया ऐसी तो मिली रे और मत्थे ते चमकन बाल जैसे लोक गीतों के साथ शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले और झांसी की रानी जैसी कविताओं का सशक्त पाठ हुआ। नदियां धीरे धीरे बहना और घुमा के मारूं मोरे सैयां जैसे गीतों ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

मेट्रो एंकर राज्यपाल ने खेलो एमपी यूथ गेम्स के समापन पर प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

खेल ही हमें हार-जीत को स्वीकार करना सिखाते हैं: राज्यपाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में खेलो एमपी यूथ गेम्स के राज्य स्तरीय समापन समारोह हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि खेल, संकल्प सिखाता है. खेलों से हम प्रयास करना सीखते हैं। निरंतर अभ्यास हमें उत्कृष्टता का दृष्टिकोण प्रदान करता है। खेल ही हमें हार-जीत को स्वीकार करना सिखाते हैं। उन्होंने संभागवार विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि यह अत्यंत गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों से निकले खिलाड़ी आज केवल भोपाल या इंदौर का नाम नहीं, बल्कि पेरिस से लेकर लॉस एंजिल्स तक भारत का तिरंगा फहराने की क्षमता रखते हैं। हमारी शूटिंग रेंज हो, वाटर स्पोर्ट्स अकादमी हो या घुड़सवारी का

मैदान, आज दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं प्रदेश के युवाओं के पास उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेल 'मलखम्ब' हमारी सांस्कृतिक और खेल विरासत का शानदान उदाहरण है। मध्यप्रदेश की धरती ने इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बताया कि 'खेलो एमपी यूथ गेम्स' में 13 से 20 जनवरी तक विकासखंड, जिला स्तर, 21 से 25 जनवरी तक संभाग स्तर पर स्पर्धाएं में एक लाख से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए। 27 से 31 जनवरी तक हुई राज्य स्तरीय स्पर्धाएं हुईं,15 हजार खिलाड़ी शामिल हुए राज्य स्तर पर 723 स्वर्ण, 723 रजत और 895 कांस्य पदक विजेताओं को 31 हजार, 21 हजार, 11 हजार रुपये पुरस्कार राशि दी जा रही है। 2341 पदक विजेताओं को लगभग 4 करोड़ की राशि वितरित की गई। राज्यपाल पटेल ने इंदौर संभाग को प्रथम, भोपाल संभाग को द्वितीय और जबलपुर संभाग को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह, संचालक राकेश गुप्ता और वरिष्ठ अधिकारी, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और ओलंपियन विवेक प्रसाद सागर, निर्णायक गण एवं प्रतिभागी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषक कल्याण वर्ष के लिए सभी कमिश्नर्स-कलेक्टर्स को वीसी से दिए निर्देश

किसानों का जीवन संवारना हमारा कर्तव्य, कृषक कल्याण वर्ष का करें प्रभावी क्रियान्वयन

किसान रथ निकालें, उड़द और मूंगफली के सर्वाधिक उत्पादन को दें प्रोत्साहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जो हम सबके अन्नदाता हैं, उनके दुख-दर्द की चिंता करना हमारा कर्तव्य है। किसानों का समग्र कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यह सरकार के लिए एक मिशन है। सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। किसानों का जीवन संवारने और इनकी बेहतरी के लिए पूर्ण समर्पित भाव से मिशन मोड में कृषक कल्याण वर्ष का बेहद प्रभावकारी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कमिश्नर्स-कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। किसान रथ चलाये जाएं। इनका शुभारंभ स्थानीय सांसद/विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से ही कराएं। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में किसानों से विभिन्न स्थानों पर को निरंतर संवाद करें। उन्हें ग्रीष्मकालीन मूंग के स्थान पर अधिकाधिक रकबे/मात्रा में मूंगफली और उड़द की फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें। प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करें। जलवायु, ऊर्जा एवं सतत् कृषि को बढ़ावा देने के लिए ई-विकास पोर्टल एवं किसानों को संतुलित मात्रा में भी उर्वरकों का उपयोग के लिए जागरूक किया जाए। आकांक्षी जिलों में चल रही प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना से अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। दलहनी और तिलहनी फसलों का उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में कृषि आधारित उद्योगों के विकास के लिए हर जरूरी प्रयास किए जाएं। कृषि से जुड़े विभागों और इस क्षेत्र में प्रगतिशील स्वयं सेवी संगठनों एवं संस्थाओं के साथ मिलकर किसानों के कल्याण के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष मनाने में किसान कल्याण एवं कृषि विकास के नेतृत्व में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, जल संसाधन, सहकारिता, ऊर्जा, राजस्व, वन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कुटीर एवं ग्रामोद्योग सहित 15 से अधिक विभाग सक्रिय भूमिका निभायेंगे।

पराली-नरवाई जलाने की घटनाओं पर रोक लगाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिले में पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से अकुंश लगाएं। अपने-अपने जिले का नरवाई प्रबंधन प्लान बनाएं। खेतों से निकलने वाली पराली/भूसे का समुचित उपयोग होना चाहिए। फसलों के अवशेष से गोबर से कंपोजिट बायोगैस संयंत्रों की स्थापना की जाए। सभी कलेक्टर्स यह तय करें कि किसानों द्वारा खेत से निकली पराली और भूसा निकटतम छोटी-बड़ी गौशालाओं में ही पहुंचाया जाए। इससे गौवंश को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सभी कलेक्टर्स से कहा कि वे अपने जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए समन्वित प्रयास करें। पशुपालकों को नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य पर ध्यान देने से होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में जागरूक करें। मत्स्य बीज उत्पादन के लिए जिला स्तर पर अधिकाधिक मत्स्य प्रक्षेत्र विकसित किए जाएं। हर नगरीय निकाय क्षेत्र में फिश पार्लर स्थापित किए जाएं और यह सुनिश्चित करें कि मछली विक्रेता तय फिश पार्लर/मार्केट में ही मछली बेचे।

कृषक कल्याण वर्ष की कार्य योजना पर करें अमल

सीएम ने कलेक्टर्स को निर्देशित करते हुए कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के लिये तय की गई कार्य योजना का फील्ड में बेहतर तरीके से अमल किया जाए। इस अवधि में विशेष अभियान चलाया जाए। छोटे-बड़े कार्यक्रम भी किए जाएं। निचले स्तर पर किसानों से सघन सम्पर्क स्थापित किया जाए। सभी हितग्राहियों का सत्यापन एवं सहयोग भी लिया जाए। नए हितग्राहियों का चयन भी इस दौरान किया जाए। प्रचलित सभी योजनाओं, नीति-नियम एवं निर्देशों का सरलीकरण एवं सुधार की कार्यवाही की जाए। विभाग या संस्था की जरूरत के अनुसार नई योजना या कार्यक्रम भी इस दौरान प्रारंभ किए जाएं। विभिन्न प्रकार की नवाचारी गतिविधियां भी की जाएं। कृषि सेक्टर के विकास के लिए नए वित्तीय स्त्रोतों जैसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी), पुनर्घत्वीकरण एवं कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर फंड) का उपयोग भी किया जाए। केन्द्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से अनुदान या मंजूरी पाने के लिए भी कृषक कल्याण वर्ष में विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण वर्ष में होने वाली मासिक गतिविधियों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि फरवरी के पहले सप्ताह में डिंडोरी जिले में कोदो-कुटकी का बोनस वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कल वडोदरा में इंटरएक्टिव सेशन में होंगे शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश को उद्योग, निवेश और रोजगार के अवसरों का सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर सक्रिय पहल कर रहे हैं। राज्य की औद्योगिक नीतियों, सेक्टर-फोकस्ड दृष्टिकोण और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण को देशभर के उद्योग जगत तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री स्वयं संवाद की अगुवाई कर रहे हैं।

सीएम दावोस की सफल यात्रा के बाद अब 2 फरवरी को गुजरात के वडोदरा स्थित ग्रांडे मर्क्योर वडोदरा सूर्य पैलेस में मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर केंद्रित इंटरएक्टिव सेशन में शामिल होंगे। राज्य शासन द्वारा आयोजित इस सेशन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों से पेट्रोकेमिकल्स, फर्टिलाइजर्स, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग, पावर एवं एनर्जी, आईटी और आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में निवेश को लेकर राज्य की संभावनाओं को साझा करेंगे। साथ ही राज्य की औद्योगिक नीति, निवेश अनुकूल इकोसिस्टम और विभिन्न सेक्टर्स में उपलब्ध अवसरों पर विस्तृत दृष्टिकोण साझा करेंगे।

सेशन के दौरान मध्यप्रदेश में निवेश अवसरों पर प्रस्तुति, सेक्टर-फोकस्ड इनसाइट्स, प्रमुख उद्योगपतियों के विचार और चयनित औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन संवाद के माध्यम से निवेश को व्यवहारिक स्तर पर आगे बढ़ाने पर केंद्रित चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट विजन है कि मध्यप्रदेश में निवेश केवल प्रस्तावों तक सीमित न रहे, बल्कि ठोस साझेदारियों, समयबद्ध निर्णयों और दीर्घकालिक औद्योगिक विकास के रूप में जमीन पर दिखाई दे।

प्रदेश में सामान्य वर्ग की अनदेखी!

एससी-एसटी और अल्पसंख्यकों के लिए अलग विभाग, सवर्णों के लिए सिर्फ नियम

पदाधिकारी न होने से सवर्णों की आवाज दबी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

यूजीसी के नए नियमों को लेकर उपजा विवाद भले ही सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद कानूनी रूप से थमता दिख रहा हो, लेकिन इसने मध्य प्रदेश में सामान्य वर्ग की उपेक्षा के पुराने जख्मों को फिर से हरा कर दिया है। प्रदेश में एससी-एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के लिए तो समर्पित विभाग और वित्त निगम सक्रिय हैं, लेकिन सामान्य वर्ग के कल्याण के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आ रहा है। इसे लेकर अब समाज के विभिन्न हलकों में वर्ग भेद और विभाजन की लकीरें गहरी होने की चिंता जताई जा रही है।

विभागों और आयोगों के बीच सिमटा समानता का अधिकार

मध्य प्रदेश में संवैधानिक समानता के दावों के बीच प्रशासनिक ढांचा वर्गों में बंटा नजर आता है। अल्पसंख्यक समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए वर्ष 1991 से ही अलग विभाग काम कर रहा है। इसी तरह एससी-एसटी और ओबीसी वर्गों की समस्याओं और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पृथक विभाग व वित्त विकास निगम गठित हैं। इन वर्गों की शिकायतों की सुनवाई के लिए राज्य और केंद्र स्तर पर शक्तिशाली आयोग भी मौजूद हैं। इसके उलट, सामान्य वर्ग के लिए न तो कोई अलग विभाग है और न ही शिकायतों की सुनवाई के लिए कोई प्रभावी आयोग।

नाम का आयोग, काम शून्य- सरकार ने सामान्य वर्ग के हितों के संरक्षण के लिए मध्य प्रदेश राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग% का गठन तो किया, लेकिन यह केवल कागजों तक सीमित रह गया है। स्थिति यह है कि आयोग में लंबे समय से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या किसी भी पदाधिकारी की नियुक्ति नहीं हुई है। नेतृत्व के अभाव में सामान्य वर्ग के निर्धन लोगों की सुनवाई पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे इस वर्ग में सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर गहरा असंतोष है।

बजट की कमी से मेधावी विद्यार्थी योजना पर संकट

आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना एक बड़ा सहारा थी। इसके माध्यम से मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे महंगे कोर्सेज की फीस सरकार भरती थी। लेकिन अब बजट की कमी के चलते यह योजना भी बुरी तरह प्रभावित हो गई है। ऐसे में सामान्य वर्ग के प्रतिभाशाली छात्रों के सामने उच्च शिक्षा का संकट खड़ा हो गया है, जबकि अन्य आरक्षित वर्गों के लिए विशेष वित्तीय सहायता और छात्रवृत्तियां पूर्ववत जारी हैं।

सत्ता और विपक्ष के अपने-अपने तर्क

इस मुद्दे पर सियासत भी गरमाई हुई है। वरिष्ठ भाजपा नेता गोपाल भार्गव का कहना है कि सामाजिक समरसता और भेदभाव दूर करने के लिए सामाजिक न्याय विभाग पहले से ही कार्यरत है। वहीं, कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने सामान्य वर्ग की आवाज बुलंद करते हुए कहा कि जब अन्य सभी वर्गों के कल्याण के लिए आयोगों और समितियों को कानूनी दर्जा प्राप्त है, तो सामान्य वर्ग के लिए पृथक विभाग और प्रभावी आयोग का गठन अनिवार्य रूप से होना चाहिए।

भारत के संविधान की यह सुस्पष्ट मंशा है कि सभी वर्गों के नागरिकों का कल्याण होना चाहिए परंतु देखा जा रहा है कि सामान्य वर्ग को हर कल्याणकारी योजना में छोड़ दिया जाता है। पिछले एक दशक से पदोन्नतियां बंद हैं जबकि हाई कोर्ट अपने कई फैसलों में कह चुका है कि सामान्य वर्ग की पदोन्नति पर कोई रोक नहीं है।

- सुधीर नायक, कर्मचारी नेता और अध्यक्ष, मप्र मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी संघ

पुलिसकर्मियों को नहीं मिल रहा साप्ताहिक अवकाश

तीन सीएम और एक मंत्री की घोषणा पर अमल नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संभवतः प्रदेश में यह पहला मामला होगा, जब एक नहीं तीन-तीन मुख्यमंत्रियों ने सार्वजनिक मंच से कोई घोषणा की और वह पूरी नहीं हो पाई। हम बात कर रहे हैं प्रदेश में आरक्षक से लेकर थाना प्रभारी तक के साप्ताहिक अवकाश की। मैदानी स्तर पर इनकी संख्या लगभग 70 हजार हैं, जिन्हें अवकाश नहीं मिल पा रहा है। वर्ष 2014 में सबसे पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों के लिए साप्ताहिक अवकाश की घोषणा की। इस पर अमल नहीं हो पाया। इसके बाद कांग्रेस सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ ने वर्ष 2019 में घोषणा की। अमल भी शुरू हुआ, लेकिन पुलिस बल की कमी के चलते एक वर्ष के पहले ही अवकाश देना बंद हो गया। बाद में भाजपा की सरकार आई तो तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अगस्त 2020 में फिर साप्ताहिक अवकाश की घोषणा की। कुछ जिलों में व्यवस्था प्रारंभ भी हुई पर धीरे-धीरे बंद हो गई। वर्ष 2021 में उस समय के गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने कहा, पुलिसकर्मियों को साप्ताहिक अवकाश दिया जाएगा, पर अमल नहीं हुआ।

सीएम मोहन यादव भी कर चुके हैं एलान

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने भी एलान कर रखा है। एक साल हो चुके हैं, पर पालन नहीं हो रहा है। उप पुलिस अधीक्षक और ऊपर के अधिकारियों को अवकाश मिल रहा है, लेकिन आरक्षक से लेकर निरीक्षक संवर्ग तक मैदानी अधिकारियों को नहीं। जिलों में अवकाश की व्यवस्था का रोस्टर बनाने की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षकों दी गई थी। बल की कमी के चलते पुलिस अधीक्षकों ने अवकाश देना बंद कर दिया, जिससे एक बार कमल नाथ के समय और दूसरी बार शिवराज सिंह चौहान के समय अवकाश की व्यवस्था ठप हो गई।

25 हजार से अधिक पद रिक्त

दरअसल, प्रदेश में पुलिस आरक्षक से लेकर एएसपी तक के एक लाख 26 हजार पदों में से 25 हजार से अधिक रिक्त हैं। नए थाने बनने पर ही पुलिस बल स्वीकृत किया जा रहा है। जिस तरह से आबादी और अपराध बढ़ रहा है, उस मान से नए थाने नहीं खुल रहे हैं। ऐसे में एक तो आवश्यकता के अनुसार बल नहीं है। दूसरा, रिक्तियां होने के कारण अवकाश नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कोई जवाब नहीं दिया। अन्य राज्यों की स्थिति कर्नाटक सरकार ने दो दिन पहले ही पुलिसकर्मियों को जन्म दिवस और शादी की सालगिरह पर अवकाश देने का निर्णय लिया है।

मनोदर्पण से संवरेंगे मन, नई पीढ़ी होगी सशक्त : डॉ. गोयल

भोपाल। एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा स्कूली विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चलाए जा रहे राष्ट्रीय जागरूकता अभियान मनोदर्पण के अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में किया गया। यह कार्यशाला एनसीईआरटी द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित की जा रही श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें राजस्थान के बाद मध्यप्रदेश दूसरा राज्य है, जहाँ यह राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. संजय गोयल ने कहा कि मनोदर्पण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मन को समझने और उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाने की एक प्रभावी पहल है।

पुलिस अकादमी भौंरी में नवाचार

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अपनी कार्यप्रणाली को आधुनिक तकनीक और आपातकालीन चुनौतियों के अनुरूप ढालने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में भोपाल के भौंरी स्थित पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में दो बेहद महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जहां एक ओर पुलिस अधिकारियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बारीकियां सीखीं, वहीं दूसरी ओर NDRF के साथ मिलकर आपदा प्रबंधन की मॉक ड्रिल की।

NABH मान्यता प्राप्त अस्पतालों के मामले में मप्र तीसरे नंबर पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आयुष्मान भारत योजना के तहत नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एनएबीएच मान्यता प्राप्त अस्पतालों की संख्या के मामले में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद अब मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 285 अस्पताल एनएबीएच प्रमाणित हैं। प्रदेश में कुल 1926 सरकारी और निजी अस्पतालों में से इन अस्पतालों को यह गुणवत्ता प्रमाण पत्र मिला है, जो मरीजों को सुरक्षित और बेहतर इलाज की गारंटी देता है। हाल ही में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने निजी अस्पतालों की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें एनएबीएच प्रमाणीकरण को अनिवार्य न करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने साफ कहा कि मरीजों की सुरक्षा और इलाज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह प्रमाणन जरूरी है। इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि अब प्रदेश के अन्य अस्पताल भी मान्यता लेने के लिए आगे आएंगे।

क्या है एनएबीएच

एनएबीएच क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के अंतर्गत कार्य करता है। यह अस्पतालों, क्लीनिकों और हेल्थ केयर सेंटरों को गुणवत्ता मानकों के आधार पर प्रमाणन देता है। इसका उद्देश्य मरीजों को सुरक्षित, विश्वसनीय और मानक उपचार उपलब्ध कराना है। एनएबीएच प्रमाणन तीन स्तरों में दिया जाता है इंट्री लेवल, प्रोग्रेसिव लेवल और फाइनल लेवल। अस्पताल को इन स्तरों पर संक्रमण नियंत्रण, मरीज सुरक्षा, स्टाफ की योग्यता, आपातकालीन सेवाएं, दवाओं का सुरक्षित उपयोग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मानकों पर खरा उतरना होता है।

मेट्रो एंकर | इंदौर के ट्रांसपोर्ट अधिकारी ने माउंट अकोंकागुआ पर रचा इतिहास

प्रदीप ने 6,962 मीटर ऊंचे शिखर पर फहराया तिरंगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आरटीओ अधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा ने एशिया के बाहर की सबसे ऊंची चोटी माउंट अकोंकागुआ (6,962 मीटर) पर भारतीय तिरंगा फहराकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वे देश के पहले RTO अधिकारी बने हैं, जिन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय शिखर पर सफलतापूर्वक आरोहण किया। इस उपलब्धि को इंडियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। प्रशिक्षक ज्योति रात्रे ने बताया कि वह भारत से पहले आरटीओ हैं जो यहां गए हैं, इस रिकॉर्ड को रजिस्टर्ड कर रहे हैं, यह हम इंडियन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड और हाई रेंज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाने की तैयारी कर रहे हैं। अकोंकागुआ अभियान कुल 18 दिनों तक चला। टीम 13 जनवरी को भोपाल से रवाना हुई थी। दक्षिण अमेरिका में स्थित इस पर्वत पर पहुंचने के बाद लगातार बदलते मौसम और अत्यधिक ऊंचाई ने दल की कड़ी परीक्षा ली। कई चरणों में तापमान शून्य से 30 डिग्री नीचे तक पहुंच गया।

मौसम और ऊंचाई बनी बड़ी चुनौती अभियान के दौरान कैंप-2 पर भारी बर्फबारी और तेज आंधी का सामना करना पड़ा। इसके बाद कैंप-3 के ऊपर तेज ठंडी हवाओं और बर्फबारी ने शारीरिक क्षमता के साथ मानसिक दृढ़ता की भी परीक्षा ली। एक पर्वतारोही की तबीयत बिगड़ने पर उसे वापस लौटना पड़ा, जबकि एक अन्य पर्वतारोही ऊर्जा की कमी के कारण शिखर से करीब 200 मीटर पहले लौट आए।

अनुभवी मार्गदर्शन रहा अहम- इस पूरे अभियान में वरिष्ठ पर्वतारोही एवं एवरेस्ट विजेता ज्योति रात्रे मार्गदर्शक और प्रशिक्षक की भूमिका में रहीं। प्रदीप कुमार शर्मा पिछले डेढ़ वर्ष से उनके मार्गदर्शन में उच्च हिमालयी पर्वतों के लिए प्रशिक्षण ले रहे थे। अभियान के दौरान सुरक्षा और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देते हुए लिए गए फैसले इसी प्रशिक्षण का हिस्सा रहे।

पहले भी फतह कर चुके हैं ऊंचे शिखर

प्रदीप कुमार शर्मा इससे पहले देश में 5,000 और 6,000 मीटर श्रेणी की कई चोटियों पर सफल आरोहण कर चुके हैं। अकोंकागुआ अभियान को उनके लिए भविष्य में प्रस्तावित और अधिक ऊंचे अंतरराष्ट्रीय अभियानों की निर्णायक तैयारी माना जा रहा है। कैंप 4 के नजदीक थे, तभी पता चला कि अगले 3 दिन मौसम बहुत खराब रहने वाला है। हमें 7,800 मीटर पर रुकना पड़ा। यह इलाका डेथटेंट जोन कहलाता है। यहां हालात बहुत खराब थे। बाहर नहीं निकल पाते थे। आंधी की वजह से बर्फ टेंट के अंदर आ रही थी। वह हमारे को ढक देती थी। ऐसे में हमें हर 3 घंटे सफाई करनी पड़ी थी। यहां पर करीब -20 डिग्री टैम्परेचर था। इस तरह से 3 दिन और 4 रातें काटी है।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 01 फरवरी 2026

सर्च ऑफ़ हेप्पीनेस

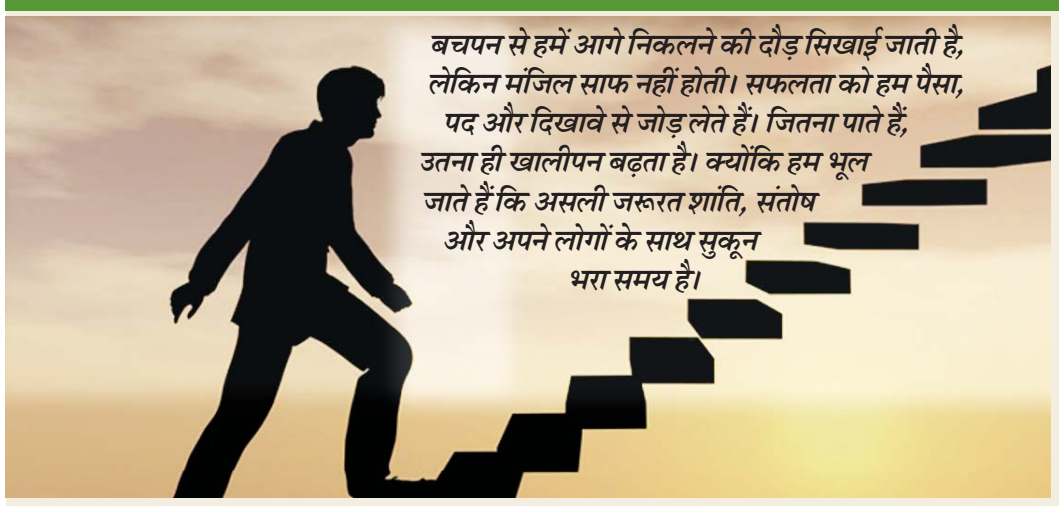

सोचें...सफल होने की दौड़ में कहीं हम खुश रहना तो नहीं भूल रहे

हम में शुरुआत से ही सिखाया जाता है कि दूसरों से बेहतर बनो, आगे निकलो, नंबर वन बनो। लेकिन इस दौड़ की फिनिशिंग लाइन कहां है, ये कोई नहीं जानता। हम सफलता चाहते हैं, नाम, पैसा और पहचान चाहते हैं। धीरे-धीरे सफलता का मतलब हमारे लिए घर का साइज, पोस्ट और बैंक बैलेंस बन जाता है। समस्या ये है कि जितना ऊपर चढ़ते हैं, चोटी उतनी ही आगे खिसक जाती है। ज्यादा पाने की चाह हमें जकड़ लेती है। हम और तेज दौड़ते हैं, ज्यादा काम करते हैं, खुद को थका देते हैं, फिर भी अंदर एक खालीपन रह जाता है। क्योंकि हम खुश रहना भूल जाते हैं।

हम ये नहीं सोचते कि हमें सच में क्या चाहिए? शांति, संतोष या अपने लोगों के साथ समय? जब सफलता सिर्फ दिखावा और तुलना बन जाए, तो वो खुशी नहीं दे पाती। शायद असली जीत रुककर सांस लेने, अपने जीवन को महसूस करने और खुद से संतुष्ट होने में है।

सफलता बहुत बड़ी कीमत मांगती है

हेप्पीनेस एम्बेस्डर HaPPPy AiR - Atman in Ravi का कहना है, सफलता खुशी नहीं, बस थोड़ा-सा आनंद देती है। और ये आनंद टिकता नहीं है। आज है, कल नहीं। इसके अलावा सफलता हमें क्या देती है? चिंता, तनाव और ढेर सारी परेशानियां। कई बार सफलता बहुत बड़ी कीमत मांगती है। पैसा कमाने की दौड़ में हम अपनी सेहत खो देते हैं। आगे बने रहने के लिए कुछ लोग गलत और गैर-कानूनी रास्ते चुन लेते हैं। समाज में रुतबे और पद की चिंता हमें अंदर से बेचैन कर देती है। हर वक्त डर लगा रहता है, कहीं सब छिन न जाए, कहीं असफल न हो जाएं। कुछ लोग इस दबाव को झेल नहीं पाते और टूट जाते हैं। तब सवाल उठता है, आखिर इसका मतलब क्या है? हमें कितना चाहिए? और आखिर में हम अपने साथ क्या ले जा सकते हैं? शायद जवाब बहुत साधारण है, सुकून, रिश्ते और मन की शांति ही असली कमाई है। एक सवाल सच में पूछने लायक है, हम सफल होना चाहते ही क्यों हैं? अधिकतर लोग इसलिए दौड़ते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सफलता उन्हें खुशी देगी। लेकिन क्या वाकई ऐसा होता है? अगर सफलता पाने की कोशिश में हम हर दिन दुखी रहें, बेचैन रहें, अपनों से दूर हो जाएं, तो फिर उस सफलता का मतलब ही क्या रह जाता है? सच्चाई ये है कि खुशी किसी पद, दौलत, नाम या शोहरत से नहीं आती। खुशी इस बात पर भी निर्भर नहीं करती कि हमारे पास कितना है, बल्कि इस पर करती है कि हम अंदर से कैसा महसूस करते हैं। खुशी कोई मंजिल नहीं है जिसे पाना हो, ये जीने का एक तरीका है। ये बाहर से नहीं मिलती, अंदर से पैदा होती है। लेकिन सफलता की अंधी दौड़ में हम इस छोटी-सी, लेकिन सबसे जरूरी बात को भूलते जा रहे हैं।

जिंदगी हाथ से छूटने लगती है

आज तनाव, चिंता और बर्नआउट आम बीमारी बन चुके हैं। हम इंसान कम और मशीन ज्यादा बन गए हैं। हम हर वक्त कुछ न कुछ करते रहते हैं, काम, टारगेट, डेडलाइन। लेकिन कभी रुककर ये नहीं सोचते कि बस होना भी जरूरी है। हम सांस लेना, खुलकर मुस्कुराना और लाइफ को महसूस करना भूल गए हैं। हम सूरज उगते नहीं देखते, क्योंकि उस वक्त ईमेल चेक कर रहे होते हैं। अपनों से बात नहीं कर पाते, क्योंकि काम का दबाव सिर पर होता है। हम आज को जीना भूल जाते हैं और कल की सफलता के पीछे भागते रहते हैं। इस भागदौड़ में सबसे कीमती चीज, जिंदगी हमसे चुपचाप छूट जाती है। हम अक्सर सोच लेते हैं कि सक्सेस मतलब अचीवमेंट और अचीवमेंट मतलब खुशी। जबकि सच्चाई उल्टी है, खुशी ही असली सक्सेस है। अगर आप खुश हैं, तो आप पहले से ही सफल हैं। सच्ची खुशी मजे लेने, शांति से जीने और जिंदगी का मकसद खोजने में है। यही खुशी के 3 P हैं, Pla4, Peace और Purpose इसी लिए हम इसे 'happiness' कहते हैं।

भूली हुई खुशी को वापस कैसे पाएं?

सबसे पहले थोड़ा स्लो हो जाइए। लाइफ कोई रेस नहीं है और न ही कोई मंजिल पाने का सफर। जिंदगी तो आज के इस पल में जीने का नाम है, न बीते कल के पछतावे में, न आने वाले कल की चिंता में। दूसरा, अपनी ब्लेसिंग्स गिनिए। जो आपके पास है, उसके लिए शुक्रगुजार बनिए। ग्रेटिट्यूड कम को भी काफी बना देता है और दिल को सुकून से भर देता है।

ABCD सिद्धांत अपनाइए

A - जो चीजें हमारे बस में नहीं हैं, उन्हें बिना लड़ाई स्वीकार करें।

B - जो कर सकते हैं, उसमें अपना पूरा बेस्ट दें।

C - नतीजों की चिंता छोड़कर खुद को पूरी तरह सरेंडर करें।

D - खुद को ईश्वर का एक साधन मानकर जिएं, बिना फल की उम्मीद के, यह जानते हुए कि जो हो रहा है वही डिवाइन इच्छा है।

दया, करुणा और मदद के छोटे-छोटे काम दिल को सुकून देते हैं। अपना फोकस बदलें। अचीवमेंट के हाईवे से उतरकर संतुष्टि वाली लाइफ की राह पकड़ें। संतुष्टि से शांति मिलती है और शांति से खुशी जन्म लेती है। जरूरत पूरी करें, लालच नहीं।

आखिर में, अंदर झांकिए और खुद को जानिए। समझिए कि हम केवल शरीर, मन या अहंकार नहीं हैं। हम आत्मा हैं, ईश्वर की उस अनोखी चिंगारी का हिस्सा। जब ये सच्चाई समझ में आती है, तो एक ऐसा गहरा आनंद मिलता है, जो कोई भी सक्सेस कभी नहीं दे सकती।

जीवन-ज्योति

आज के युग में हर इंसान को किसी न किसी चीज की तंगी है

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

वर्तमान में सबसे ज्यादा तंगी किस चीज की है, इस पर गौर करें तो हर कोई अलग-अलग समस्या गिनाएगा। कोई पीने के पानी की, तो कोई बिजली, शिक्षा, चिकित्सा की। मध्यम वर्गीय महिलाओं से पूछेंगे तो कहेंगी खाना बनाने वाली गैस की तंगी है। आज भी दूरदराज इलाकों में अनेक ऐसे गांव हैं जहां महिलाओं को पीने का पानी भरने के लिए सिर पर मटका रख दूर जाना पड़ता है। लिहाजा हर इंसान को किसी न किसी चीज की तंगी है।

मेरे मत से आज सबसे ज्यादा तंगी है विश्वास की। कोई किसी पर विश्वास नहीं करता। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब लोगों का एक-दूसरे पर विश्वास नहीं होगा तो यह समाज टिकेगा कैसे। स्थिति यह है कि ईश्वर पर भरोसा रखने वाले मनुष्य का, दूसरे मनुष्य पर भरोसा नहीं।

इतनी हद तक चरित्र का पतन हुआ है। जानते हो इसका परिणाम क्या होगा? इससे इंसान टूट जाएगा और समाज बिखर जाएगा। विश्वास की खेती हमें हर क्षेत्र में करनी होगी। खाना खाने से फूड पॉयजनिंग नहीं होगा, यह विश्वास करके ही हम होटल में खाना खाने जाते हैं। ट्रेन का ड्राइवर रात में सोएगा नहीं वह सावधानी से ट्रेन चलाएगा, इस विश्वास पर हम ट्रेन में सफर करते हैं। पायलट सावधानी से प्लेन टेक ऑफ और लैंडिंग करेगा, उसे सावधानी से उड़ाएगा, इसी विश्वास से हम प्लेन में बैठते हैं। हमारे चिंतक विश्वास के साथ-साथ श्रद्धा को भी महत्व देते हैं। आप विश्वास रखोगे तो सामने वाले व्यक्ति की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। यह बात जीवन में याद रखने जैसी है। आप विश्वास रखोगे तो पत्थर भी परमेश्वर बन जाता है, तो फिर इंसान क्यों नहीं अच्छा इंसान बन सकता! यह श्रद्धा ही तो है कि सदियों से द्वारका में बिराजते द्वारकानाथ के दर्शन करने देशभर से भक्त आते हैं। जिन लोगों की श्रद्धा नहीं, वह पत्थर की प्रतिमा में ईश्वर के होने पर संदेह और उल्टे सीधे सवाल करते हैं पर श्रद्धा रखनेवाले को पत्थर की प्रतिमा में भी परमेश्वर के दर्शन होते हैं। जीवन में यह बात ध्यान रखने की है कि विश्वास और श्रद्धा रखना, छोड़ना मत। विश्वास व्यक्ति को सज्जन बनने की प्रेरणा देता है। व्यक्ति के अंदर बसी इंसानियत पर विश्वास करना सीखो। आपका भाव और श्रद्धा का संचय होगा तो स्कूल का शिक्षक नौकरी करने वाला नहीं, गुरु दिखेगा। दोष देखना हो तो खुद के देखो। अन्य के नहीं।

सामने वाले की इंसानियत और अपने दोष देखने की आदत बनाओ। मंदिरों में एक निश्चित दिन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होती है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद मूर्ति में भगवान का दैवी तेज झलक उठता है। समाज को एक शिक्षक में गुरु की प्रतिष्ठा करनी चाहिए। गुरु पर अपनी भावना और श्रद्धा हमको तारेगी। भारतीय समाज संवेदनशील स्वभाव वाला है। इसकी संवेदना की तीव्रता इतनी अधिक होती है कि एक बार कंठी पहनी कि गुरु को भगवान स्वरूप ही मानते हैं। गुरु तो आखिर मनुष्य ही है। फिर भी गुरु में कोई खामी हम नहीं देखते। उस पर पूरा विश्वास रखते हैं। उसके प्रति सच्ची श्रद्धा रखते हैं। हमारे इस भाव का फायदा हमें होता है। यही बात शिक्षकों के साथ है। समाज अगर शिक्षक पर भरोसा करेगा तो फायदा समाज का ही होगा। ऐसा करने से श्रद्धा और भरोसा करने वाले भाव को प्रतिष्ठा देने वाले पूर्ण गुरु प्रगटेंगे।

सितारों की बात

पंडित विष्णु राजौरिया

सप्ताह का राशिफल दिनांक 01 फरवरी से 07 फरवरी तक

मेष : राशि के जातकों को इस सप्ताह में राजकीय कार्यों में सफलता और जो जातक कृषि संबंधी कार्यों से जुड़े हैं उनको भी उत्तम सफलताएं प्राप्त होगी, घर परिवार का कुटुंब का पूरा सहयोग प्राप्त होगा आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर बढ़ रही है।

वृषभ: राशि के जातक अपने वाणी कुशल से विशेष सम्मान और सफलता प्राप्त करेंगे, साथी धार्मिक और सामाजिक कार्यों में निरंतर व्यस्तता बनी रहेगी, भाग्य उन्नति के कार्य के प्रयासों को नई दिशा मिलने के संकेत हैं ,निरंतर प्रवास की स्थिति बनी रहेगी।

मिथुन : राशि के जातकों को आगामी सप्ताह अत्यंत उत्तम रहेगा, धार्मिक कार्यों में सलंग्नता अथवा धार्मिक स्थलों की यात्रा विशेष रूप से आपको आनंद का अनुभव करावेगी, घर परिवार के साथ रहने का आनंद और नए लोगों से मिलने की इच्छा पूर्ण होगी, साधु संतों के बीच में धार्मिक व्यक्तियों के बीच में रहने का अवसर प्राप्त होगा।

कर्क: राशि के जातकों को यह सप्ताह आर्थिक दृष्टि से कुछ कठिनाई भरा रहने की संकेत हैं। व्यापार व्यवसाय में कुछ अवरोध उत्पन्न हो सकते हैं, यात्रा में कष्ट अतः यात्रा से बच्चे और घर परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता का कारण बना रहेगा, अतः विशेष सावधानी से अपने कार्यों को करें।

सिंह : राशि के जातकों को सावधानी से रहने की आवश्यकता बनी हुई है अपितु पहले की अपेक्षा अपने कार्यों में अब सफलता मिलना प्रारंभ होगा, कठिनाई की स्थिति में बुजुर्ग अथवा वरिष्ठ जनों से सलाह लेकर अपने कार्यों को करें ,लंबित मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनने के संकेत मिल रहे हैं।

कन्या: राशि के जातकों को आगामी सप्ताह में उत्तम सफलता प्राप्त होने के संकेत मिल रहे हैं, संतान के कार्यों में विशेष सफलता मिलेगी, संतति प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर परिवार के यश कीर्ति में वृद्धि करेगी, अतः संतति के कार्यों में विशेष अभिरुचि लेने की आवश्यकता है आर्थिक स्थिति उत्तम बनी रहेगी।

तुला : राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम रहने के संकेत हैं, राजकीय एवं प्रशासकीय कार्यों में आपको उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं। साथ ही घर परिवार और कुटुंबी जनों के साथ मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा, घर परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा, व्यापार व्यवसाय में उन्नति के योग हैं।

वृश्चिक: राशि के जातकों को यह सप्ताह धनागम के कार्यों में सफलता व्यापार व्यवसाय एवं कृषि से संबंधित कार्यों में उत्तम सफलता मिलने के संकेत हैं, घर परिवार में कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं ,अपनी वाणी पर नियंत्रण रखकर घर परिवार के विवादों को सुलझाने का प्रयत्न करें, श्याम मंदिर बनने से परिवार का वातावरण सुखद हो जाएगा।

धनु: राशि के जातकों को यह सप्ताह आनंदित करने वाला होगा, घर परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है, इस मांगलिक कार्य में समस्त परिजन एवं कुटुंबी जनों के साथ रहने का अवसर मिलने से आपके परिवार में उल्लास का वातावरण रहेगा, साथी स्वास्थ्य एवं धन की स्थिति मजबूत बनी रहेगी व्यापार व्यवसाय भी लाभकारी बना रहेगा।

मकर: राशि के जातकों को यह सप्ताह व्यवहार से भर रहेगा, सजगता से कार्य करने की आवश्यकता है, आए और व्यय में संतुलन बनाकर रखें अधिक व्यय होने से बाद में आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, अतः व्यापार व्यवसाय में मजबूत पकड़ रखने की आवश्यकता बनी हुई है ,अपने सगे संबंधियों से भी निराश हो सकती है।

कुंभ: राशि के जातकों को यह सप्ताह कुछ कठिनाई दे सकता है अपनी वाणी के प्रभाव से कठिनाई दूर करने में सहायता मिलेगी संतति की सफलता से आपके घर परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा, साथी सामाजिक सहयोग अपेक्षा से अधिक मिलने के संकेत हैं निरंतर व्यस्तता बनी रहेगी।

मीन : राशि के जातकों को यह सप्ताह विगत सप्ताह की अपेक्षा उत्तम रहने के संकेत मिल रहे हैं, आपकी व्यस्तता बनी रहेगी ,अपने स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखें खान-पान में संतुलन बनाने की आवश्यकता बनी हुई है ,यात्रा में सावधानी रखें।

दिया कबीरा रोय

दाल-बाटी पर भारी सिंधु घाटी ....

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

कल भारत का इतिहास मिल गया। उसे फिर बदल दिया गया। बदलकर सीधा मेरे पास ही आया था। मैंने बस इतना कहा था कि भाई बहुत बदले बदले नज़र आ रहे हो। वह फट पड़ा। बोला-भाई साहब,मुझे कोई रास्ता बताइए। हर कोई मेरे पीछे पड़ा है। हर कोई कहता है कि मैं ग़लत हूं। मुझे बदलना चाहिए। कोई कहता है कि मुझे ऐसा होना चाहिए। दूसरा कहता है कि अरे, ऐसा नहीं वैसा होना चाहिए। इतने में कोई तीसरा आता है। वह कहता है-ये दोनों ही बेवकूफ हैं। मैं बताता हूं तुम्हें रियल में कैसा होना चाहिए? अब आप ही बताइए, भाई साहब मैं किसकी मानूं किसकी न मानूं? लोग मुझे मदारी के बंदर की तरह नचाते हैं। ऐसा होता हूं तो ये नाराज़। वैसा होता हूं तो वे नाराज़। मुझसे कोई नहीं पूछता कि वास्तव में मैं कैसा हूं। भाई मैं क्या करूं? और मेरे साथ साथ स्कूलों में बच्चे तंग रहते हैं। वे जब तक ऐसा रटते हैं तभी कोई आकर कहता है कि अरे तुमने ग़लत रट लिया। ऐसा नहीं वैसा रटो। पिताजी ने जो उत्तर लिखकर परीक्षा पास कर ली थी बेटा वही उत्तर लिखता है तो फेल हो जाता है। और भैया अब तो यह नौबत आ गई है पिछले साल जो उत्तर लिखकर टॉप किया था इस साल उसी उत्तर को लिखने पर जीरो मिलेगा। इसी बीच सरकार बदल गयी। उत्तर बदल गया। मेरे कुछ चैप्टर तो ऐसे हैं जिन्हें बच्चे खोलते ही नहीं हैं। टीचर उन्हें बता देते हैं इन पर क्वेश्चन नहीं आयेगा। उन पर क्वश्चन पूछ लिया तो परीक्षा ही निरस्त हो जायेगी। टीचर पिट जायेंगे। भैया, चुनाव आते हैं और मेरे प्राण कांपते हैं। न मालूम इस बार कौन जीतेगा और आते ही मुझे न जाने कैसा कैसा बदलेगा। फिर नये सिरे से मेरी चीरफाड़ होगी। हर बार मैं इस यातना से गुजरता हूं,भाई साहब। मैं कितना बदलूं भाई? मैं बदल बदलकर चूंचूं का मुरब्बा बन गया हूं। मेरी कोई शक्ल ही नहीं रह गयी है।

भैया, आपको तो मालूम है, मेरा भी ज़माना था। बड़े-बड़े विद्वानों ने मेरे लिए अपनी जिंदगी लगा दी। वे महीनों वीरान खंडहरों में डेरा डाले रहते थे। महीनों खुदाई चलती थी। महीनों की मेहनत के बाद कोई टूटा फूटा बर्तन,औजार वगैरह मिलता था। वे उछल पड़ते थे।लोग लाइब्रेरियों की ख़ाक छानते थे। शिलालेखों,ताड़पत्रों से माथापच्ची करते थे। तब कहीं कुछ खोजकर लाते थे। मैं उनकी खोजों को देखकर खुशी खुशी बदल जाता था। उस समय बदलने में गर्व होता था, लेकिन भाई अब तो हर कोई चला आ रहा है। कोई भी छुटभैया आता है और मुझे बदलने लगता है। जिसने कभी घर में क्यारी नहीं खोदी वह मोहनजोदड़ो और हड़प्पा की खुदाई को ग़लत ठहरा देता है। कल इसी चौराहे पर एक लड़का चिल्ला चिल्लाकर कह रहा था कि हम इतिहास को नये सिरे से लिखेंगे। मैं उस लड़के को अच्छी तरह जानता हूं। वह इतिहास में तीन बार फेल हुआ था। वह उत्तर पुस्तिका में एक आंसर नहीं लिख पाता था अब पूरा इतिहास लिखने की बात कर रहा है। लोग तालियां बजा रहे

थे। भैया ये रोज़ रोज़ की जिल्लत सही नहीं जाती।पर ऐसे लोग मेरा फैसला करें इससे मुझे बचा लीजिए। मुझे इतना सस्ता कर दिया है कि मुझे बदलने में कोई काबिलियत नहीं लगती। या तो सब लोग बैठकर एक बार तय कर लें कि मुझे कैसा रहना है।मैं वैसा बना रहूंगा। यहां के लोग बहुत चूज़ी हैं वे महान पुरुष भी कस्टमाइज़्ड चाहते हैं। वे कहते हैं इस महान पुरुष का चेहरा तो अच्छा है पर हाथ बदल दो। मुझे हंसी आती है। अब वो तो जैसा था सो था। वह जा चुका है। अब मैं उसके हाथ कहां से बदल दूं।अच्छा रहेगा कि मेरी पढ़ाई बंद ही करवा दी जाए। वैसे भी मेरी कोई जरूरत नहीं है। मुझसे कोई कुछ नहीं सीखता।

मुझे समझ में नहीं आता और भी बहुत सारे जरूरी काम पड़े हैं। उनकी तरफ कोई नहीं देखता। सबकी नजर बस मुझपर रहती है। मैं न जाने क्यों सबकी आंखों में खटकता हूं। मेरा विकास रुक गया है। वर्षों से मैं उतना का उतना ही हूं। नया इतिहास बनाने की बात तो अब उठती ही नहीं है। पहले का जितना है, सब उतने को ही बदलने में लगे हैं। भाई साहब,अब तो मुझे शर्म आने लगी है। पचहत्तर साल हो गये। एक भी नया पेज नहीं जुड़ा। अरे,पैराग्राफ तक नहीं जुड़ा। वही पुराने पेज़ हैं। उन्हीं में कट पेस्ट चलता रहता है। लोग हालात बदलने की मांग करते हैं वे इतिहास बदलने लगते हैं। लोग मंहगाई की बात करते हैं वे किसी नयी खुदाई की बात करते हैं। लोग दालबाटी की बात करते हैं वे सिंधुघाटी की बात करते हैं। मेरी इतनी उम्र हो गयी मैने अभी तक लोगों को आगे की ओर ही जाते देखा है। लेकिन यह न जाने कैसा मुल्क है जहां पीछे की ओर जाने की होड़ लगी है। 22 वीं शताब्दी की ओर कोई नहीं देखता।15 वी,16 वीं शताब्दी में घुसने के लिए लोग उतावले हैं। कोई गुप्तकाल में जा रहा है, कोई मौर्यकाल में। कुछ तो ऐसे हैं जो मोहनजोदड़ो से बाहर नहीं निकलना चाहते। वे वहीं मगन हैं। बड़ा विचित्र देश है भाई साहब यहां आंखें चेहरे पर नहीं होतीं पीठ पर होती हैं।

बच्चों के बस्ते में मेरे साथ रखी दूसरी किताबें मेरा मजाक उड़ाती हैं। कल ही मैथ्स तमककर बोली-मुझे तो दिखाए कोई बदलकर। एक दिन फिजिक्स किसी से कह रही थी-मुझे भारत का इतिहास मत समझ लेना। मुझे बदलने की बात आइंस्टीन से नीचे का आदमी कर ही नहीं सकता।मैं सर नीचा किए सब सुनता हूं। सच में भैया बहुत नीचा देखना पड़ता है और तो और,मेरे सगे रिश्तेदार, दूसरे देशों के इतिहास भी खिल्ली उड़ाने से बाज़ नहीं आते। एक समारोह में ब्रिटिश इतिहास मिल गया। आंख दबाकर बोला-और भाई इस बार कौन सा रिनोवेशन हो रहा है तुममें।चुनाव आ रहा है। वहां और भी इतिहास मौजूद थे। सब खिल खिलाकर हंस दिए। मैं शर्म से गड़ गया। मैं सबसे हाथ जोड़कर कहता हूं कि मेरी इतनी बेइज्जती तो मत करवाइए। मैंने किसी का क्या बिगाड़ा है। जितना बना अच्छा ही किया है। लोग सीखें या न सीखें मैं हमेशा सचेत करता रहा। मैंने हमेशा अपना फ़र्ज़ निभाया। मुझे न जाने किस अपराध की सज़ा मिल रही है। मुझे इस हालत से किसी तरह उबारिए। हां,भाई साहब एक बात पूछूं? ऐसा नहीं हो सकता क्या कि संविधान में लिख दिया जाए कि मुझे बदलने के लिए कम से कम इतनी भीड़ जरुरी होगी। मुझे कुछ तो राहत मिलेगी। अभी तो बस सौ पचास लोगों को ही साथ लेकर लोग मुझे बदलने लगते हैं और साथ में यह कानून भी बन जाए कि एक बार बदलने पर दस बीस साल तक मैं वैसा ही रहूंगा। कम से कम उतने साल तो चैन से रहूंगा।

न्यूज विंडो

मैं इस क्षेत्र का नेता नहीं बल्कि यहां का बेटा हूं- विधायक उमाकांत शर्मा

सिरोंज। मैं इस क्षेत्र का केवल नेता या विधायक नहीं हूं, बल्कि यह पूरा क्षेत्र मेरे परिवार जैसा है और मैं यहां का बेटा हूं। यहां के लोगों के साथ हमारे परिवार के बहुत पुराने रिश्ते हैं। यह मोहल्ला बहुत पुराना मोहल्ला है इस क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदलने का काम यहां के बेटे एवं पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा द्वारा किया गया था। उसी दिशा मे हम आगे बढ़ रहे हैं उक्त विचार शनिवार को नगरपालिका द्वारा वार्ड क्रमांक 13, 14, 15 एवं 16 में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि पूजन एवं लोकार्पण समारोह में विधायक उमाकांत शर्मा ने व्यक्त किए । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा कि आज मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश तेज गति से विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने स्थानीय रहवासियों की अन्य मांगों को भी पूरा करने की घोषणा की, इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, पार्षद रूपेश यादव एवं संजय सोनी द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किए गए, इस अवसर पर स्थानीय पार्षद अंजनी तोषमणि पंथी, सचिन शर्मा, संजय सोनी(संजू), धर्मेंद्र जैन, टीकाराम शाक्य, मुंशीलाल कुशवाह, नरेंद्र पाटीदार, रिंकू यादव सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तोषमणि पंथी द्वारा किया गया। विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा 190.03 लाख रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया,वहीं 70.92 लाख रुपये की लागत से भूमिपूजन कार्य किए गए।

नर्मदापुरम सांसद ने राजपूत समाज के युवाओं को वितरित किए कबड्डी मैट

नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो भारत, फिट भारत संकल्प को साकार करने के लिए राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने गत दिवस को सांसद संवाद केंद्र कार्यालय में राजपूत समाज के युवाओं को कबड्डी मैट वितरित किए।इस अवसर पर सांसद नारोलिया ने कहा कि युवाओं का सशक्तिकरण ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खेल अनुशासन, बेहतर स्वास्थ्य और सकारात्मक सोच प्रदान करते हैं। युवाओं को खेलों से जोड़ना राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष माधवदास अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष रुपेश राजपूत, राजपूत समाज इटारसी के शशांक बेस गोल्डी, मोती सिंह राजपूत, पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया, लक्ष्मण बेस, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी, धर्मेंद्र जाट, मनीष ठाकुर, धीरेंद्र सिंह राजपूत, सुरेंद्र सिंह राजपूत, धर्मेंद्र सिंह सोलंकी, पिल्लू ठाकुर, शैलेंद्र सिंह सोलंकी, सचिन तोमर, जितेंद्र सिंह राठौर, बृजेंद्र सिंह सोलंकी, देवेंद्र सिंह राजपूत, योगेंद्र सोलंकी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुंदरम अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में नगरवासी और युवा उपस्थित रहे।

निजी कंपनी ने शासकीय विद्यालयों में बच्चों को वितरित किए 1100 बैग

नर्मदापुरम। जिले में रेत खनन का संचालन करने वाली सिल्वर मिस्ट रिटेल प्राइवेट लिमिटेड ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए शासकीय विद्यालयों के 1100 बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। कंपनी सीएसआर फंड के तहत लगातार सामाजिक कार्य कर रही है।इटारसी तहसील के मरोड़ा ग्राम के शासकीय हाई स्कूल और प्राथमिक शाला में 245 बैग बांटे गए। इस अवसर पर प्रधान प्राचार्य और सरपंच कलाबाई मर्सकोले उपस्थित रहीं। बड़ी बालाघाट प्राथमिक शाला में 187 बैग वितरित हुए, जहां प्रधानाध्यापक शालक रामकीर और सरपंच ममता बाई मौजूद रहीं।पाहनबर्री गांव के शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला और बिलखेड़ी माध्यमिक शाला में कुल 278 बैग दिए गए। यहां प्रधान पाठिका बर्नादेन इंगिल, मिथिलेश तुमराम, सरपंच अनीता ब्रजमोहन यादव, कंपनी प्रतिनिधि और माइनिंग कॉर्पोरेशन के गोपाल सिंह उपस्थित रहे। वहीं, पवारखेड़ा खुर्द के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में 290 बैग प्रधान धीरज उइके और सरपंच प्रतिनिधि अशोक कीर की मौजूदगी में वितरित किए गए।कंपनी ने स्कूलों में बच्चों के बैठने के लिए बेंच लगाने का भी भरोसा दिलाया। कंपनी का सामाजिक अभियान लंबे समय से चल रहा है, जिसमें पौधारोपण, बाउंड्री वॉल निर्माण, ब्लड डोनेशन कैंप, स्कूलों में बेंच-टेबल-कंप्यूटर वितरण, इटारसी सरकारी अस्पताल में सोलर प्लांट स्थापना, गर्म कपड़े, बर्तन, जूते, स्कूल ड्रेस वितरण तथा मंदिर निर्माण में सहयोग शामिल हैं।

विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

मंडीदीप। लिटिल स्कॉलर पब्लिक स्कूल में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'स्पंदन - 2026' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक नितिन लोहजी ने कहा कि रचनाशीलता भी शिक्षा का उतना ही जरूरी अंग है जितना कि एकेडमिक स्टडीज हैं। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों की ऊर्जा, उत्साह और रचनात्मकता को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, समूह गायन, नाटक सहित विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने सराहा। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि स्पंदन - 2026 विद्यार्थियों की संस्कृति, सृजनशीलता और व्यक्तित्व विकास का सजीव उत्सव रहा। इस अवसर पर अध्यक्ष,नगर पालिका परिषद मंडीदीप श्रीमति प्रियंका अग्रवाल, उपाध्यक्ष एसएमटी पुष्पा प्रेमशंकर साहू, समाजसेवी श्री प्रेमशंकर साहू जी, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रमेश कुमार साहू, समाजसेवी श्री अमित तिवारी, विद्यालय के अभिभावक, एवं मीडिया प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

नर्मदापुरम में माघ पूर्णिमा पर आस्था की डुबकी, शाम को बनारस की तर्ज पर होगी महाआरती

कड़ाके की सर्दी में सुबह 5 बजे से नर्मदा घाटों पर स्नान करने के लिए उमड़े हजारों श्रद्धालु

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर आज रविवार को अल सुबह से ही सर्द हवाओं की परवाह किए बिना हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाई। शहर के सेठानी घाट, विवेकानंद घाट, कोरी घाट समेत प्रमुख घाटों पर सुबह से स्नान का सिलसिला शुरू हो गया, जो दोपहर तक जारी रहा। नर्मदापुरम के अलावा अन्य शहरों से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। वहीं आज रात 8 बजे सेठानी घाट पर मां नर्मदा की महाआरती होगी। 251 दीपों से बनारस में होने वाली मां गंगा की तर्ज पर नर्मदा की महाआरती होगी।

प्रशासन ने भारी भीड़ के अनुमान से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सुबह 5 बजे से ही राजस्व, पुलिस और होमगार्ड के जवान सेठानी घाट, कोरी घाट, पर्यटन घाट, परमहंस घाट, विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट और बांद्राभान समेत सभी घाटों पर तैनात हैं।धार्मिक मान्यता के अनुसार, माघ पूर्णिमा पर मां नर्मदा में स्नान कर रामजी बाबा समाधि पर दर्शन करने से विशेष फल प्राप्त होता है। गेहूं का दान करने से आयु वृद्धि और क्षय रोग से मुक्ति मिलती है। हर वर्ष इस दिन माघ मेले का शुभारंभ होता है शनिवार शाम को अतिथियों ने फीता काटकर मेले की औपचारिक शुरुआत की।

श्रीरामजी बाबा मेले का शुभारंभ

भक्ति और श्रद्धा के माहौल में संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले का शुभारंभ किया गया। रविवार को नगर में आयोजित उद्घाटन समारोह में अतिथिगणों ने फीता काटकर मेले की औपचारिक शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध धर्माचार्य पं. सोमेश परसाई उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, महंत मुरारीदास, डॉ. विजय दास, जिला पंचायत सीईओ हिमांशू जैन, एसडीएम जय सोलंकी, तहसीलदार सरिता मालवीय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अमित महाला, नपा पार्षद एवं सभापतिगण, नपा के अधिकारी-कर्मचारी तथा भाजपा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने दिया, जबकि संचालन पार्षद राहुल गौर ने किया। इस अवसर पर अतिथिगणों ने संत शिरोमणी श्रीरामजी बाबा मेले की महत्ता के साथ-साथ भारत में मेलों के धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व पर प्रकाश डाला।

तिखवा में धान खरीदी केंद्र प्रभारी की दबंगई, युवक की रॉड मारकर हत्या

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले के पपौंध थाना क्षेत्र के तिखवा गांव में धान खरीदी केंद्र में केन्द्र प्रभारी ने रॉड मारकर एक युवक की हत्या कर दी। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार जमोड़ी निवासी अशोक पाल 22 जनवरी को अपने दोस्तों के साथ तिखवा स्थित धान खरीदी केंद्र के पास घूम रहा था। इसी दौरान उसने मोबाइल से कुछ तस्वीरें लीं। इसे लेकर केंद्र प्रभारी ददई शर्मा को संदेह हुआ कि वह खरीदी केंद्र की गतिविधियों की फोटो ले रहा है। इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। मारपीट की आवाज सुनकर अशोक पाल का भाई दिनेश पाल बीच बचाव करने पहुंच गया। वहीं केन्द्र प्रभारी का भाई शशिकांत भी रॉड लेकर विवाद स्थल में पहुंचा और ताबड़ तोड़ हमला करना शुरू कर दिया। मारपीट में दिनेश पाल के सिर पर गंभीर चोट आने पर वह अचेत हो गया, जिसे परिजनों ने ब्यौहारी अस्पताल में भर्ती करया, जहां उसकी हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने रीवा रेफर किया। वहां भी आराम न मिलने पर जबलपुर रेफर कर दिया गया, जहां आठ दिन चले उपचार के दौरान शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर लगते ही गांव में मातम छा गया। इस घटना का ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि युवक की मौत होने की जानकारी मिलने के बाद तत्काल केन्द्र प्रभारी ददई शार्मा व उसके भाई शशिकांत शर्मा को हिरासत में ले लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी विजेन्द्र मिश्रा ने बताया कि घटना 22 जनवरी की रात की है, जबलपुर में उपचार के दौरान शनिवार को युवक की मौत हो गई, देर रात तक शव गांव पहुंचेगा।

पुलिस ने किया 1 करोड़ की डकैती का पर्दाफाश

44 तौला सोना, 1 किलो से अधिक चांदी, 10 लाख नगदी, एक बाइक सहित अवैध हथियार किए जब्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विगत दिनों त्योंदा थाना अंतर्गत रायखेड़ी में लाखों रुपए और जेवरातों की लूट हुई थी। जिसमें थाना त्योदा पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। ग्राम रायखेडी में घटित सनसनीखेज डकैती की घटना का पर्दाफाश करते हुए त्योंदा पुलिस ने 04 आरोपियों एवं 01 विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर नगदी, स्वर्ण-रजत आभूषण, वाहन, मोबाइल एवं हथियार सहित करीब रुपए 1 करोड़ का मशरूका बरामद किया है।

23-24 जनवरी की मध्यरात्रि को फरियादी बृजबिहारी निवासी ग्राम रायखेडी, थाना त्योदा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि अज्ञात बदमाशों ने उनके घर में घुसकर उन्हें व परिवारजनों को बंधक बनाकर सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी लूट ली। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए थाना त्योदा में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। वहीं 24 जनवरी की दरम्यानी रात थाना राहतगढ़ क्षेत्र अंतर्गत लड़ाई-झगड़े के एक इवेंट में जा रही डायल 112 वाहन को देखकर मौके पर मौजूद आरोपी घबरा गया तथा भागने के प्रयास में लूट चोरी का मशरूका सड़क पर गिरा दिया। डायल 112 में तैनात पुलिस बल द्वारा तत्परता एवं सतर्कता का परिचय देते हुए तत्काल कार्रवाई की गई और एक आरोपी को मौके से ही मशरूका सहित गिरफ्तार किया गया। यह संपूर्ण कार्रवाई एसडीओपी पुलिस राहतगढ़ योगेन्द्र सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन, थाना प्रभारी राहतगढ़ निरीक्षक मुकेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में गठित टीम की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही। 150 से अधिक संदिग्धों से गहन पूछताछ कर तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र एवं सतत मैदानी पतारसी के उक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप आरोपियों को ग्राम रायखेड़ी एवं ग्राम बहादुरपुर थाना राहतगढ़ से गिरफ्तार किया गया। इनमें छोटू उर्फ धनसिंह निवासी सेमरा गोपालमन, थाना जैसानगर, बिहारीलाल कुशवाह, निवासी रायखेडी,जयदीप अहिरवार निवासी ग्राम बहादुरपुर, संदीप अहिरवार, निवासी ग्राम बहादुरपुर, एक विधि विरुद्ध बालक भी प्रकरण में संलिप्त पाया गया। पुलिस ने आरोपियों से 44 तोला सोना, 1 किलो 300 ग्राम चांदी,10 लाख नगद राशि, 5 मोबाइल फोन, 1 मोटरसाइकिल, 1 देशी कट्टा, 1 तलवार सहित करीब 1 करोड़ का मशरूका जब्त किया है।

चांदनी चौक में बस स्टैंड के पास जोरदार धमाके से सहमे लोग

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शहर के चांदनी चौक इलाके में 5 दिन पहले हुए बड़े विस्फोट के बाद शनिवार को एक बार फिर सैलाना बस स्टैंड के पास विस्फोट हो गया। ये विस्फोट वेल्डिंग की दुकान में हुआ। हादसे के वक्त 80 वर्षीय दुकान संचालक वेल्डिंग कर रहे थे और पास में कर्मचारी खड़ा हुआ था। गनीमत रही कि, दोनों को कोई चोट नहीं आई। वहीं टैंक करीब 15 फीट दूर सड़क पर जा गिरा। जब टैंक उड़कर सड़क पर गया, तब वहां से कोई गुजर नहीं रहा था, वरना उसमें भी बड़ा हादसा हो सकता था।

बताया जा रहा है कि, हादसा इमामउद्दीन पिता कमरुद्दीन निवासी जवाहर नगर की मुख्य डाक घर के सामने स्थित न्यू जनरल इंजीनियरिंग एंड वेल्डिंग वर्क्स की दुकान में हुआ है। धमाका उस समय हुआ, जब दुकान संचालक एक बाइक में वेल्डिंग कर रहे थे। इसी दौरान वेल्डिंग उपकरणों से जुड़े कार्बेट टैंक में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे कार्बेट टैंक फटकर दुकान से बाहर 15 फीट दूर मुख्य सड़क पर जा गिरा। अचानक हुए विस्फोट से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। इस घटना का एक सीसीटीवी भी सामने आया, जिसमें साफतौर पर नजर आया कि, पहले तो विस्फोट की तेज आवाज से आसपास मौजूद लोग भागते दिखे, लेकिन बाद में मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर पुलिसकर्मी और नायक तहसीलदार मनोज चौहान आदि मौके पर पहुंचे और दुकान संचालक से घटना के बारे में जानकारी ली।

नपा अध्यक्ष पार्टी से निष्काषित

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में 5 प्रतिशत कमीशन का आडियो वायरल होने से चर्चा में रहे भाजपा के परासिया नपाध्यक्ष विनोद मालवीय को संगठन की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव ने मालवीय के निलंबन का आदेश जारी किया। जिलाअध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि परासिया नगर पालिका अध्यक्ष मालवीय पर अनुशासनहीनता के आरोप थे। जिससे पार्टी की छवि धूमिल हो रही थी। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर उन पर निष्कासन की कार्रवाई की गई है। यादव ने कहा कि नगर पालिका में पार्टी के प्रभाव और सत्ता की मौजूदगी पर बाद में विचार किया जाएगा। अभी मामला अनुशासनहीनता का था इस लिए कार्रवाई करनी पड़ी। कार्रवाई के पीछे भाजपा नेता का सोशल मीडिया में वायरल आडियो बताए जा रहे हैं। दावा किया गया था कि नगर पालिका अध्यक्ष मालवीय अमृत योजना के तहत होने वाले कार्यों पर ठेकेदार से 5 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहे थे।

मेट्रो एंकर

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 2-3 फरवरी को

प्रदेशभर से पुरुष और महिला अंडर 16 टीमें होंगी शामिल

इटारसी। दोपहर मेट्रो

राजपूत समाज द्वारा 2 एवं 3 फरवरी को राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता को लेकर पत्रकार भवन इटारसी में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग की 16 एवं महिला वर्ग की 16 टीमें भाग लेंगी। इसमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, खंडवा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों की नामी टीमें शामिल होंगी।

प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 31,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 21,000 रुपए एवं तृतीय पुरस्कार 15,000 रुपए रखा गया है। वहीं महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 15,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार 7,000 रुपए एवं तृतीय पुरस्कार 5,000 रुपए रखा गया है। सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम का संचालन मनीष ठाकुर द्वारा किया गया, जबकि पुरस्कारों की विस्तृत जानकारी मोती सिंह राजपूत ने दी। इस अवसर पर ट्रॉफी का अनावरण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद माया नारोलिया, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। राजपूत समाज के शशांक बैस 'गोल्डी' ने सांसद माया नारोलिया का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि उनके सहयोग से कबड्डी प्रतियोगिता हेतु फुल ग्राउंड मैट उपलब्ध कराई गई है। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चोरे द्वारा लाइट एवं मैट व्यवस्था में दिए गए सहयोग के लिए भी आभार जताया गया। पत्रकार वार्ता में राजपूत समाज के वरिष्ठजनों में लखन सिंह बैस, निर्मल सिंह राजपूत, संतोष सिंह राजपूत, मंजू राजपूत, कमल सोलंकी, नितिन सिंह, धर्मेंद्र सोलंकी, लखन बैस, दीप सिंह राजपूत, रमन सिंह राजपूत, प्रकाश राजपूत, हंसराज सिंह, माधव गौतम, संतोष राजपूत, नवीन सिसोदिया सहित अखंड राजपूताना सेवा समिति के रोहित तोमर भी उपस्थित रहे। दो दिवसीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ 2 फरवरी को विधायक डॉ. सीता शरण शर्मा द्वारा किया जाएगा।

न्यूज विंडो

करंट लगने से महिला बेहोश होकर गिरी, डाक्टरों ने किया मृत घोषित

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के सेहरी गांव में मोबाइल चार्ज करते समय करंट लगने से एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने महिला को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक महिला की रश्मि की दो बेटियां हैं । जानकारी अनुसार सेहरी गांव निवासी रश्मि गौड़ (30) (पति नरेश गौड़ उर्फ मुकेश) सुबह करीब 7 बजे अपने घर में मोबाइल फोन चार्ज कर रही थीं। इसी दौरान इलेक्ट्रिक बोर्ड के पास मौजूद एक कटी हुई डोरी के संपर्क में आने से उन्हें करंट लग गया। करंट लगने से डोरी उनके हाथ में चिपक गई और वह चीखते हुए जमीन पर गिर पड़ीं। आवाज सुनकर उनके पति नरेश घर के अंदर पहुंचे और रश्मि को बेहोश जमीन पर पड़ा पाया। परिजन तुरंत उन्हें निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने रश्मि को मृत घोषित कर दिया सूचना मिलने पर तेंदूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

खुलासा: पुरानी रंजिश के चलते दोस्तों ने ही की थी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

धार। जिले की औधोगिक नगरी पीथमपुर में स्थित शमशान घाट पर हुई हत्या के मामले में पुलिस को सफलता मिल गई हैं। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिक भी शामिल है। आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते युवक की हत्या कर शव को घाट के पास फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार, मृतक का मोबाइल फोन और उसकी टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। जानकारी अनुसार पीथमपुर के सेक्टर एक एक थाना क्षेत्र में स्थित श्मशान घाट में 25 जनवरी को एक अज्ञात युवक का शव मिला था। शुरुआती जांच में नशे की हालत में मौत का संदेह जताया गया था। हालांकि, जांच अधिकारी उप निरीक्षक चांदनी सिंगार और सोहन सिंह कायत ने घटनास्थल के आसपास खून के निशान देखे। इन निशानों के आधार पर पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाया और हाल ही में दर्ज गुमशुदगी की शिकायतों की पड़ताल की। गुमशुदा युवकों के हुलिए का मिलान करने पर एक 19 वर्षीय युवक का विवरण मृतक से मिलता-जुलता पाया गया। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई। थाना प्रभारी ओपी अहिर ने बताया कि घटनास्थल से मिले भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने संदेही अंकलेश उर्फ टोनी पटेल उम्र 19 साल निवासी कॉसमॉस कॉलोनी भाटखेड़ी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपने साथियों हितेश सोलंकी उम्र 21 साल निवासी बागोदा, रोहित उर्फ रुद्राक्ष सोलंकी निवासी हाउसिंग कॉलोनी सेक्टर-01 पीथमपुर और एक नाबालिग के साथ मिलकर हत्या करना कबूल किया।

बदमाश ने चाकू लहराकर दी जान से मारने की धमकी, वीडियो वायरल

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा थाना के सहजपुर गांव में एक बदमाश ने खुलेआम चाकू लहरा कर एक परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। इसका वीडियो भी सामने आया है। पीड़ित परिवार ने थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से भाग निकला। जानकारी देते हुए सहजपुर गांव निवासी उमेश प्रताप भवानी प्रसाद टैगोरिया ने बताया कि अभिषेक चैधरी नामक युवक शनिवार की शाम उनके घर के सामने खड़े होकर गंदी-गंदी गालियां दे रहा था और चाकू लहरा कर उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी दे रहा था। वह बाहर रहकर ड्राइवरी का काम करता है और उसका छोटा भाई भी ड्राइवर है। जिस समय आरोपी घर के सामने चाकू लहरा रहा था घर में उसके माता-पिता थे। आरोपी लगातार गालियां देता रहा उसके पिता ने इसका वीडियो बनाया। जिसमें आरोपी खुलेआम कह रहा है कि वह हत्या कर चुका है और उसके बाद भी उसकी जमानत हो गई। अब वह तुम लोगों की हत्या करेगा। काफी देर तक वह चाकू लहराकर धमकी देता रहा है। इसके बाद पीड़ित भवानी प्रसाद ने तेंदूखेड़ा थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी रविंद्र बागरी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ जान से मारने की धमकी और गालियां देने की धारा में मामला दर्ज किया है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से भाग निकला उसकी तलाश की जा रही है जल्दी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं पीड़ित के बेटे उमेश ने बताया कि एक साल पहले जमीन का केस लगा था जो वह जीत गए। उसकी जमीन में आरोपी के घर के करीब चार-पांच लोग रहते थे।

विधायक ने हरी झंडी दिखाकर किसान जागरुकता वाहन रैली को किया रवाना

धार। मप्र शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिला स्तर पर विधायक नीना वर्मा एवं कलेक्टर प्रियंक मिश्रा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किसान जागरूकता वाहन रैली को रवाना किया गया। जिले के किसान भाईयों हेतु कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों की विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार कृषि रथ के माध्यम से निरंतर 11 जनवरी से प्रत्येक ग्राम पंचायत में योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कृषि वर्ष का सुसज्जित रथ 13 विकासखण्डों में 13 कृषि रथ जिले की समस्त 765 ग्राम पंचायतों में रूट चार्ट अनुसार योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे है, प्रतिदिन कृषि रथ 03 ग्राम पंचायतों में भ्रमण कराया जा रहा है। 11 जनवरी से अब तक 585 पंचायतों में 29414 किसानों द्वारा कृषि रथ में सहभागिता की गई है।वाहन रैली में किसान उत्पादक संगठन, प्रगतिशील किसान, स्थानीय कृषि आदान विक्रेता एवं उप संचालक कृषि, परियोजना संचालक आत्मा, उप संचालक उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका के कर्मचारियों की अनदेखी के चलते स्थानीय लोगों में आक्रोश

स्वास्थ्य को खतरा... नालियों में पाइपलाइन डूबी, संपवेल के आसपास भी गंदगी का अंबार

अजय आहूजा। मंडीदीप

शहर में नगर पालिका द्वारा पेयजल सप्लाई में बरती जा रही लापरवाही से स्थानीय निवासियों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। कई वार्डों में पेयजल की मुख्य और वितरण लाइनें सीवेज नालियों से होकर गुजर रही हैं, जिससे पीने के पानी में गंदगी मिलने का खतरा मंडरा रहा है। वार्ड 2 और 4 में मुख्य पाइपलाइनें नालियों में डूबी हुई हैं और इन्हीं नालियों से लोगों के घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए हैं। स्थानीय लोग डर रहे हैं कि इंदौर जैसी कोई बड़ी घटना यहां न हो जाए, जहां दूषित पानी से स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है।

लोगों का आरोप है कि वार्ड पार्षदों को बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। एक निवासी ने कहा, नपा की यह लापरवाही हमारे परिवारों के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती है। इंदौर की घटना के बाद भी यहां सिर्फ दिखावटी अभियान चलाए गए, असल समस्या जस की तस बनी हुई है। सतलापुर क्षेत्र में वार्ड 16-17 के संबेल के चारों ओर गटर का पानी जमा हो रहा है। टंकी में जगह-जगह लीकेज होने से गंदा पानी संपवेल में समा रहा है, और आसपास गंदगी का बड़ा अम्बार लगा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पालिका पानी के साथ-साथ बीमारियां भी घर-घर पहुंचा रही है।

नपा सफाई अभियान चलाने का काम करे

यह समस्या मंडीदीप में लंबे समय से चली आ रही पेयजल और सफाई संबंधी शिकायतों का हिस्सा है, जहां पहले भी महावीर नगर जैसे इलाकों में दूषित पानी को लेकर विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। रहवासी मांग कर रहे हैं कि नगर पालिका तुरंत पाइपलाइनों को अलग करने, लीकेज ठीक करने और सफाई अभियान चलाने का काम करे, ताकि स्वास्थ्य जोखिम से बचा जा सके।

हालात जस के तस बने

इंदौर की घटना के बाद नपा ने शहर में पेयजल लाइन को नालियों से अलग करने, लीकेज बंद करने का अभियान चलाया था, लेकिन यह दिखाबटी साबित हुआ, ज्यादातर जगह हालात जस के तश बने हुए हैं।
-सज्जन सिंह पाल, पूर्व पार्षद

नपा की पेयजल शाखा द्वारा लगातार पेयजल लाइनों को ठीक करने, नालियों से अलग करने का काम किया जा रहा है, अगर कहीं शिकायत है तो उसे तुरंत ठीक किया जाएगा।
-प्रशांत जैन, नपा सीएमओ

पुलिस की पहल ने बिखरने से बचाया परिवार, आपसी सुलह से पति-पत्नी साथ रहने राजी

धार। दोपहर मेट्रो

रिश्तों में आई कड़वाहट को समझाइश के मीठे बोल से दूर कर पुलिस ने एक परिवार को टूटने से बचा लिया। पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देशन में महिला थाना पुलिस ने पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद को खत्म करवाकर उनमें समझौता कराया। अब दोनों पक्ष पुरानी बातों को भुलाकर फिर से एक साथ हंसी-खुशी रहने को तैयार हो गए। जानकारी के अनुसार,आवेदिका अनिता का विवाह वर्ष 2019 में सामाजिक रीति-रिवाज से संपन्न हुआ था। उनकी एक छोटी बालिका भी है। शादी के कुछ समय बाद ही पति-पत्नी के बीच मनमुटाव शुरू हो गया। आवेदिका ने पति पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला थाना प्रभारी ने जांच सहायक उप निरीक्षक रामसिंह गौर को सौंपी। पुलिस टीम ने तत्काल दोनों पक्षों को थाने बुलाया और पृथक-पृथक काउंसलिंग की। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें परिवार के महत्व और बच्ची के भविष्य का हवाला देते हुए साथ रहने की समझाइश दी। पुलिस के अथक प्रयासों के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सुलह हो गई। पति-पत्नी ने एक-दूसरे से अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी और भविष्य में साथ रहने का वचन दिया।

बाइक सवार को टक्कर मारकर मौत के घाट उतारने वाला ट्रक चालक गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार की ट्रक की टक्कर से मौत के मामले में पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक व परिचालक को भी गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि गत दिवस 27 मील के पास हुई थी मृतक की पहचान दमोह निवासी राजेंद्र गोंड पिता रामजीलाल गौड़ उम्र 37 वर्ष के रूप में हुई है। राजेंद्र गौड़ तेंदूखेड़ा के पिड़रई गांव का मूल निवासी था वह जबलपुर बाइक से जा रहा था, तभी अज्ञात ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे राजेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने पड़ताल शुरू की। यूपी पासिंग का ट्रक तेजगढ़ क्षेत्र में रात में ही पकड़ा लिया गया था । ट्रक जबलपुर से यूपी जा रहा था । ट्रक को आसिफ खान चला रहा था जो यूपी बरेली का रहने वाला है। तेंदूखेड़ा पुलिस ने ट्रक को तेजगढ़ क्षेत्र में पकड़ा और थाना लाकर सुरक्षित रखवाया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में थाना प्रभारी रावेंद्र बागरी ने बताया बाइक सवार को टक्कर मारने वाले ट्रक को पकड़ लिया है। साथ ही चालक को भी मामले की जांच की जा रही है।

कलेक्टर ने लोअर चंदिया डैम का निरीक्षण कर दिए निर्देश

बांध की होगी मरम्मत, बढ़ेगा सिंचाई का रकबा

सागर। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर संदीप जीआर ने अधिकारियों के साथ लोअर चंदिया डैम का निरीक्षण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी, एसडीएम नवीन ठाकुर, जल संसाधन विभाग से अखिल बिरथरे सहित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर संदीप जी आर शाहगढ़ विकासखंड पहुंचकर चंदिया बांध का निरीक्षण कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बांध की मरम्मत करने के लिए कार्य योजना तैयार की जाए, जिससे कि सिंचाई के साथ पेयजल भी उपलब्ध हो सकेगा। शाहगढ़ की समस्या का निदान हो सकेगा। कलेक्टर ने कहा की यह डेम अत्यधिक महत्वपूर्ण है इसकी मरम्मत के लिए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित हो। कार्य योजना ड्रिप के अंतर्गत तैयार सीडब्लूसी को भेजी जा चुकी है।

जल संसाधन विभाग के अखिल बिरथरे ने बताया कि यह लोअर चंदिया डैम 1926 में बना जिसमें कैचमेंट एरिया 80 स्क्वायर किलोमीटर का है जिसमें भराव क्षमता 5.86 एमसीएम की है जिसमें से 5.77 एमसीएम पानी दिया जाता है। इस 0.09 एमसीएम जल भराव क्षमता है। इस बांध से

2250 हेक्टेयर भूमि सिंचित होती है। इसी लोअर चंदिया डैम के ऊपर अपर चंदिया डैम बना हुआ है जिसमें 8.86 एमसीएम पानी का भराव होता है। इससे 7.96 एमसीएम पानी लोअर चंदिया में भेज कर सिंचाई की जाती है। दोनों बांध से 13.73 एमसीएम पानी प्राप्त होता है। इस बांध की मरम्मत होने पर एवं जो नहर बनी हुई है उनकी मरम्मत होने पर और भी भूमि संचित हो सकेगी और पेयजल की समस्या भी दूर होगी। कार्य योजना ड्रिप के अंतर्गत तैयार की जा कर केंद्र सरकार सी डब्लू सी को भेजी जा चुकी है, उनके द्वारा उठाई गई आपत्तियों का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह डेम चांद के आकार का है जिससे इसका नाम चंदिया पड़ा।

श्रद्धा और विश्वास है तो जीवन में सब कुछ मिलता है: प्रेमभूषण

सागर। दोपहर मेट्रो

रामचरित मानस का लाभ प्राप्त करने के लिए मनुष्य के अंदर श्रद्धा भाव सबसे आवश्यक है। मानस जी का प्रारंभ भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह के प्रसंग से शुरू होता है। इसके पीछे भी यह सबसे बड़ा कारण है कि भगवान शिव विश्वास के प्रतीक हैं और माता पार्वती श्रद्धा की प्रतीक हैं। जिस मनुष्य में श्रद्धा और विश्वास का भाव उपस्थित होगा वही रामचरितमानस में गोता लगाकर भगवान का दर्शन प्राप्त कर सकेगा। यह उद्गार रुद्राक्ष धाम में सप्त दिवसीय श्री राम कथा का गायन प्रारम्भ करते हुए प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए व्यक्त किए।

पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह के संकल्प से आयोजित सात दिवसीय रामकथा गायन के क्रम में कहा कि श्रद्धा और विश्वास नहीं है तो कुछ भी प्राप्ति नहीं होती है। जैसे संशय स्वरूपा माता सती श्रीराम कथा सुनने गई लेकिन

कथा उनके कान में नहीं उतरी। जिसकी जितनी श्रद्धा दृढ़ है उसको उतनी ही भगवद् फल की प्राप्ति है। श्रद्धा में अर्पण और समर्पण हो तो श्रद्धा अवश्य फल प्रदान करती है।

हम जो करते हैं उस पर हमें ही विश्वास नहीं होता है तो फिर कैसे भगवान का दर्शन होगा। खटपट मिटे तो झटपट दर्शन होगा। लाख कोई समझाए भटकना नहीं है। जो इष्ट हैं उनमें केवट भैया और शबरी मैया की तरह से निष्ठ रहना है। महाराज ने कहा कि हम जिस युग में जी रहे हैं वहां कोई भी मनुष्य विकारों से दूर नहीं रह पाता है। कामनाओं के मैल मन में तरह-तरह के विकार पैदा करते रहते हैं और इससे मनुष्य का जीवन कष्टमय हो जाता है। अगर हम सहज रहना चाहते हैं, सहज जीना चाहते हैं तो हमारे पास इस कलियुग के मैल को काटने और धोने का एकमात्र साधन है श्री राम कथा। काम, क्रोध, लोभ, मद और मत्सर आदि विकार कलिमल कहे जाते हैं। इससे बचने का एकमात्र सहज साधन श्री राम कथा ही है। मानस जी में लिखा है इस कथा को जो सुनेगा, कहेगा और गाएगा वह सब प्रकार के सुखों को प्राप्त करते हुए अंत में प्रभु श्री राम के धाम को भी जा सकता है।उन्होंने कहा कि अगर हमारे घर में जीवित माता-पिता हैं तो वही हमारे भगवान हैं। माता-पिता की सेवा करके हम वह सब प्राप्त कर सकते हैं जो हम भगवान से चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कल रुद्राक्ष धाम मंदिर में दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्राण-प्रतिष्ठा हो जाएगी और स्वयं हनुमान जी कथा श्रवण के लिए प्रांगण में विराजमान रहेंगे।

नगर में भगवान हनुमान जी की रथयात्रा निकली

सागर। दोपहर मेट्रो

श्रीरुद्राक्ष धाम में आयोजित श्रीरामकथा के भव्य शुभारंभ अवसर पर प्रथम दिवस श्री रुद्राक्ष धाम मंदिर से भगवान श्री हनुमान जी की भव्य रथयात्रा के माध्यम से नगर भ्रमण किया गया। भक्तों के जय श्री राम के जयघोष और श्रद्धालुओं की आस्था के साथ संपूर्ण धाम उत्साह और रामनाम की भक्ति में रंग उठा। इस दौरान यात्रा में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए।

मेट्रो एंकर — डॉक्टरों की मेहनत से 25 दिन के नवजात को मिला जीवनदान

लीवर की गंभीर बीमारी से जंग जीत मौत के दरवाजे से लौटा मासूम

सागर। दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड संभाग के चिकित्सा इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। सागर के चैतन्य हॉस्पिटल की विशेषज्ञ टीम ने मात्र 25 दिन के नवजात शिशु को मौत के मुँह से बाहर निकालकर एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। यह मामला न केवल जटिल था, बल्कि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, सागर संभाग में अपनी तरह का पहला रिपोर्टेड केस है।

जब नवजात को अस्पताल लाया गया, तो वह तेज बुखार, पेट में सूजन और गंभीर संक्रमण से जूझ रहा था। विस्तृत जांच में जो सामने आया, उसने डॉक्टरों को भी हैरान कर दिया। मल्टीपल लीवर एब्सेस जिसमें लिवर में मवाद (पस) जमा हो जाना। सेप्टीसीमिया विथ मेनिनजाइटिस जिसमें रक्त में गंभीर संक्रमण के साथ दिमागी बुखार, गंभीर एस्टेट्स जिसमें

पेट में अत्यधिक तरल पदार्थ का जमा होना जैसी बीमारियों से जूझ रहा था। सीनियर पीडियाट्रिशियन डॉ. पी.एस. ठाकुर ने बताया कि दुनिया भर के चिकित्सा साहित्य में इस तरह के बहुत कम मामले दर्ज हैं। ऐसी जटिल स्थिति में जीवित बचने की दर महज 50 प्रतिशत होती है। 1 माह से छोटे बच्चे पर इतनी जटिल प्रक्रिया करना चिकित्सा टीम के लिए एक बड़ी चुनौती थी। शिशु की जान बचाने के लिए लिवर से पस निकालना अनिवार्य था। अस्पताल की सर्जिकल व इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिकल टीम, जिसमें डॉ. विशाल गजभिये, डॉ. श्रेया ठाकुर और डॉ. सनी गुप्ता शामिल थे, ने एक साहसिक निर्णय लिया। टीम ने यूएसजी गाइडेंस के तहत लिवर में पिगटेल कैथिटर डालकर सफलतापूर्वक मवाद को बाहर निकाला। यह प्रक्रिया इतने छोटे बच्चे के लिए अत्यंत जोखिम भरी थी, जिसे टीम ने निपुणता से अंजाम दिया। गहन निगरानी और समर्पित उपचार के बाद, बच्चा अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। परिजनों ने चैतन्य हॉस्पिटल की टीम को देवदूत बताते हुए आभार व्यक्त किया है। विगत 18 वर्षों से सेवा दे रहा चैतन्य हॉस्पिटल अब जटिल नवजात रोगों के उपचार में एक मिसाल बन गया है। यह सफलता सिद्ध करती है कि अब बड़े शहरों की ओर भागने के बजाय, सागर में ही विश्वस्तरीय और जटिल सर्जरी संभव हैं।

एलिना बनीं ऑस्ट्रेलियन ओपन की विजेता,

फाइनल में विश्व की नंबर एक सबालेंका को दी करारी शिकस्त

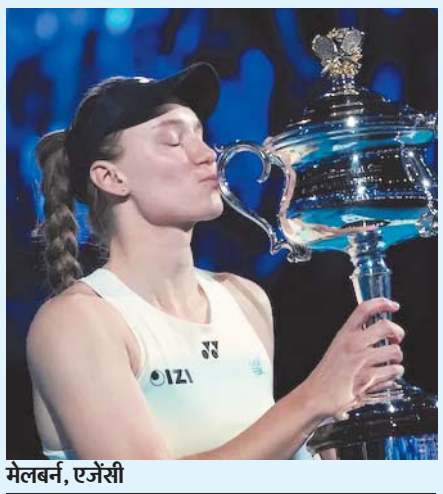

मेलबर्न, एजेंसी

एलिना रयबाकिना ने महिला एकल वर्ग के फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को हराकर वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। रयबाकिना ने फाइनल में सबालेंका को दो घंटे 18 मिनट तक चले मैच में 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। 26 साल की रयबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का दूसरा ग्रैंडस्लैम है। इससे पहले, उन्होंने 2022 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

लगातार दूसरी बार चूकीं सबालेंका

सबालेंका को लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में हार मिली है। इससे पहले उन्हें मैडिसन कीज ने हराया था। सबालेंका ने अपने करियर में अब तक चार ग्रैंडस्लैम जीते हैं। वह 2023 और 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकी हैं, लेकिन दो बार से वह यहां करीब आकर खिताब अपने नाम करने से चूक रही हैं। ऑस्ट्रेलियन ओपन के अलावा उन्होंने 2024 और 2025 में यूएस ओपन भी जीता था।

न्यूजीलैंड सीरीज ने दिखा दिया ट्रेलर

भारतीय बल्लेबाजों ने पहली ही गेंद से कीवी गेंदबाजों की ली खबर

आगामी टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया विरोधियों पर काउंटर अटैक करेगी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया ने अपने इरादे बिल्कुल साफ कर दिए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत का आक्रामक रवैया, बेखौफ बल्लेबाजी और धारदार गेंदबाजी इस बात का साफ संकेत है कि आगामी विश्व कप में भारतीय टीम किसी भी हालात में रक्षात्मक क्रिकेट खेलने के मूड में नहीं होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज को 4-1 से अपने नाम कर भारत ने ना सिर्फ जीत हासिल की, बल्कि विरोधी टीमों को यह संदेश भी दे दिया कि अब टीम इंडिया काउंटर अटैक की रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने पहली ही गेंद से अटैक करना चुना। अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाजों ने पावरप्ले में ही मैच की दिशा तय कर दी। तिरुवनंतपुरम में सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत का 271 रन बनाना इस आक्रामक सोच की सबसे बड़ी मिसाल रहा। ईशान किशन का शतक और सूर्या की तूफानी फिफ्टी ने यह दिखा दिया कि भारतीय बल्लेबाजी अब सिर्फ स्कोर बचाने नहीं, बल्कि स्कोर से मैच खत्म करने उतरी।

डिफेंसिव लाइन पर भरोसा नहीं किया भारतीय गेंदबाजों ने

भारत की सबसे बड़ी कमजोरी मिडिल ओवर्स मानी जाती रही है, लेकिन न्यूजीलैंड सीरीज में यही फेज भारत की ताकत बनकर उभरा। सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा, हार्दिक पंड्या और रिंकू सिंह जैसे बल्लेबाजों ने स्पिन और पेस दोनों के खिलाफ बेझिझक शॉट खेले। खास बात यह रही कि विकेट गिरने के बाद भी रन रेट पर कोई असर नहीं पड़ा। यही काउंटर अटैक क्रिकेट विश्व कप में भारत को बाकी टीमों से अलग बनाता दिख रहा है। भारतीय गेंदबाजों ने भी सिर्फ डिफेंसिव लाइन पर भरोसा नहीं किया। अर्शदीप सिंह की स्विंग और यॉर्कर, अक्षर पटेल की कंट्रोल्ड स्पिन और वरुण चक्रवर्ती के चौंकाने वाले बदलावों ने आखिरी टी20 मैच में न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी को लगातार दबाव में रखा। खासकर अर्शदीप का पांच विकेट लेना यह साबित करता है कि भारत के पास बड़े स्कोर डिफेंड करने की पूरा प्लानिंग और हथियार मौजूद हैं। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया का माइंडसेट बिल्कुल साफ नजर आया।।। जोखिम लो, लेकिन पूरे भरोसे के साथ। फील्डिंग सेटअप से लेकर बॉलिंग चेंज तक, हर फैसला विपक्षी टीम को बैकफुट पर धकेलने के लिए था। यही अप्रोच टी20 वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर भारत को फिर से खिताब जीतने का मजबूत दावेदार बना सकती है। न्यूजीलैंड के खिलाफ यह सीरीज सिर्फ जीत नहीं, बल्कि एक ट्रेलर थी- उस आक्रामक भारतीय टीम का, जो टी20 वर्ल्ड कप में बड़े नामों से डरने वाली नहीं है। अगर यही फॉर्म और यही सोच बरकरार रही, तो यह तय है कि आगामी टी20 विश्व कप में भारत सिर्फ मुकाबले नहीं खेलेगा, बल्कि विरोधियों पर काउंटर अटैक कर उन्हें मैच से बाहर करेगा।

टी20 वर्ल्ड कप में ईशान किशन या संजू सैमसन? कप्तान सूर्या ने दिया हर सवाल का जवाब

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को तिरुवनंतपुरम में खेले गए पांचवें टी20 मैच के दौरान दूसरी पारी में उस वक्त सब हैरान रह गए जब ईशान किशन विकेटकीपिंग ग्लव्स पहनकर मैदान पर उतरे। आम तौर पर इस भूमिका में दिखने वाले संजू सैमसन उस समय विकेट के पीछे नहीं थे। इससे पहले खेले गए चार मुकाबलों में संजू सैमसन ही भारत के नामित विकेटकीपर थे। हालांकि, सीरीज में उनके बल्ले से रन नहीं निकल पाए, ऐसे में यह सवाल उठना लाज़मी था कि क्या यह बदलाव सिर्फ रोटेशन का हिस्सा था या इसके पीछे कोई और वजह थी। हालांकि, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस फैसले को लेकर सारी अटकलों पर विराम लगा दिया। भारत ने यह मुकाबला 46 रन से जीतते हुए सीरीज 4-1 से अपने नाम की और टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले अपनी तैयारियों को मजबूत किया।

कप्तान सूर्या ने बताई वजह

सूर्यकुमार ने साफ किया कि विकेटकीपिंग को लेकर फैसला सीरीज शुरू होने से पहले ही ले लिया गया था। उन्होंने कहा, चूंकि तिलक वर्मा उपलब्ध नहीं थे, इसलिए पहले मैच से ही दोनों विकेटकीपर प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे। सीरीज शुरू होने से पहले ही तय हो गया था कि संजू तीन मैचों में विकेटकीपिंग करेंगे और ईशान दो मैचों में। ईशान किशन चौथे टी20 में विशाखापत्तनम में एक हल्की चोट (निगल) के कारण नहीं खेल पाए थे, जिससे उनकी उपलब्धता को लेकर कुछ चिंता जरूर हुई थी। लेकिन तिरुवनंतपुरम में उनकी दमदार वापसी ने उन सभी आशंकाओं को खत्म कर दिया। ईशान किशन ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा और भारत को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

किस तरह जीत दर्ज करने में सफल रहीं रयबाकिना

- कजाखस्तान की रयबाकिना ने फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही दबाव बनाया और पहला सेट 6-4 से अपने नाम किया।
- दूसरे सेट में रयबाकिना को सबालेंका से कड़ी टक्कर मिली और एक समय स्कोर 3-3 की बराबरी पर था। सबालेंका ने अच्छी वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से जीता।
- तीसरे सेट में सबालेंका ने 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन चौथे गेम को जीतकर रयबाकिना ने वापसी की। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर स्कोर 3-3 कर दिया।
- सबालेंका भी हार मानने के लिए तैयार नहीं थीं और उन्होंने स्कोर 4-5 कर दिया। रयबाकिना ने फिर एस लगाकर बढ़त ली और तीसरा सेट 6-4 से जीतकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया।
- मैच की बात करें तो रयबाकिना ने छह एस लगाए, जबकि सबालेंका ने पांच एस लगाए। रयबाकिना ने तीन और सबालेंका ने दो डबल फॉल्ट किए। रयबाकिना की तुलना में सबालेंका ने अधिक विनर्स लगाए, लेकिन सबालेंका ने कजाखस्तान की खिलाड़ी की तुलना में एक बेजां भूलें ज्यादा कीं।

पाक का ड्रामा जारी, पीसीबी ने जर्सी लॉन्च टाला, वर्ल्ड कप में भाग लेने पर सस्पेंस कायम

लाहौर, एजेंसी

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर सस्पेंस लगातार गहराता जा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अब भी यह तय नहीं कर पाया है कि उसकी टीम टूर्नामेंट में खेलेगी या भारत के खिलाफ होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले को स्किप करेगी। बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने के बाद से ही पीसीबी की रणनीति को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

इसी बीच, शनिवार को एक अहम घटनाक्रम सामने आया, जब पीसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की जर्सी लॉन्चिंग को अचानक टाल दिया। यह जर्सी लॉन्च ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मैच में टॉस के बाद होने वाली थी, लेकिन आखिरी वक्त पर इसे रद्द कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी ने जर्सी लॉन्च टालने के पीछे अनिवार्य परिस्थितियों का हवाला दिया है। हालांकि,

अंदरखाने की खबरें इशारा कर रही हैं कि यह फैसला सीधे तौर पर पाकिस्तान सरकार से अब तक औपचारिक मंजूरी ना मिलने से जुड़ा हुआ है। पीसीबी फिलहाल सरकार के रुख का इंतजार कर रहा है और माना जा रहा है कि बोर्ड किसी भी तरह का सार्वजनिक संकेत तब तक नहीं देना चाहता, जब तक अंतिम फैसला नहीं हो जाता।

सोमवार तक सब कुछ होगा क्लियर

सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के टी20 वर्ल्ड कप खेलने या ना खेलने पर सोमवार तक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। यही वह दिन है, जब सरकार की ओर से पीसीबी को अंतिम निर्देश मिलने की संभावना है। दिलचस्प बात यह है कि अनिश्चितता के बावजूद पीसीबी ने टीम की यात्रा की तैयारियां पूरी कर ली हैं। एक सूत्र ने बताया, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले ही वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए 2 फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने की व्यवस्था कर ली है। इस बयान से साफ है कि प्रशासनिक स्तर पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अभी भी टूर्नामेंट खेलने के विकल्प को खुला रखे हुए है। सूत्र ने आगे कहा, यह ध्यान में रखना चाहिए कि पाकिस्तान के टी20 वर्ल्ड कप के सभी मैच श्रीलंका में ही होने हैं, यहां तक कि फाइनल भी, अगर टीम क्वालिफाई करती है। ऐसे में टूर्नामेंट या भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का आधार क्या होगा?%

अंडर-19 विश्व कप

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाक को झटका, मोहम्मद बाहर

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ रविवार को अंडर-19 विश्व कप में होने वाले अहम मुकाबले से पहले पाकिस्तान को तगड़ा झटका लगा है। इंजरी की वजह से विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शायन टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान टीम में शायन की जगह अब्दुल कादिर को शामिल किया गया है। कादिर पहले से टीम में रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल थे। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शायन को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने से नाक की हड्डी टूट गई थी। इस वजह से उन्हें विश्व कप से बाहर होना पड़ा है।

आईसीसी ने शनिवार को एक बयान में कहा, ÷आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 की इवेंट तकनीकी समिति ने अब्दुल कादिर को पाकिस्तान टीम में मोहम्मद शायन की जगह शामिल करने की मंजूरी दे दी है।÷

शुक्रवार को जबरदस्त जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड और अफगानिस्तान सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के साथ शामिल हो गए। सेमीफाइनल की चौथी टीम कौन होगी, इसका जवाब भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले सुपर सिक्स के आखिरी मैच के विजेता के रूप में मिलेगा। भारत का समीकरण काफी सीधा है। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से यह पक्का हो जाएगा कि वे ग्रुप 2 से टॉप रैंक वाली टीम के तौर पर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेंगे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

ढाई किलो के हाथ के साथ 5 किलो का दिल

बॉर्डर-2 की बीटीएस वीडियो में दिखा सनी का अनदेखा पहलू

सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर-2 सिनेमाघरों में कमाल कर रही है। फिल्म के रिलीज के बाद भी स्टारकास्ट फिल्म से जुड़े अनदेखे वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, जिससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि फतेह सिंह का गंभीर किरदार निभाने के साथ सनी देओल ने फिल्म के सेट पर ढेर सारी मस्ती भी की है। बीटीएस वीडियो में अभिनेता ढाई किलो के हाथ के साथ 5 किलो के दिल के साथ दिख रहे हैं।

सनी देओल ने फिल्म के रिलीज के एक हफ्ते बाद बॉर्डर-2 का बीटीएस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे सेट के बाकी कलाकारों के साथ मस्ती करते दिख रहे हैं और सेट पर पंजाबी भाषा में बात कर रहे हैं। वीडियो में अभिनेता कहते हैं, प्रोड्यूसर

ने कहा कि ज्यादा गर्मी लगे तो हम बर्फ मंगा देंगे, लगता है कि प्रोड्यूसर साहब ने ज्यादा सीरियस ले लिया है। एक दूसरे चंक में अभिनेता हाथ हिलाकर डांस स्टेप जैसा कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं और कहते हैं, ऐसे ही हाथ हिलाते-हिलाते आगे की डिस्कशन भी कर लेते हैं। अभिनेता वीडियो के हर चंक में मुस्कुराते दिख रहे हैं। अभिनेता को ज्यादातर फिल्मों में गुस्सैल रवैए और एक्शन के साथ देखा गया है, ऐसे में ये वीडियो बताता है कि सनी पाजी असल जिंदगी में अपने पिता धर्मेंद्र की तरह मस्तमौला इंसान हैं। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, ÷मुझे बेनकाब करने के लिए धन्यवाद, मैं आपसे प्यार करता हूं, अनुराग।÷ वीडियो में यह भी कैप्शन शेयर किया गया है कि ढाई किलो के हाथ और पांच किलो के दिल वाले इस शख्स का अनदेखा पहलू। दहाड़ तो मशहूर है लेकिन सेट को रोशन करने वाली हंसी भी उतनी ही लाजवाब है।

इससे पहले इस वीडियो को फिल्म के डायरेक्टर अनुराग सिंह ने शेयर किया था और उनके अनदेखे पहलू और सेट पर शूटिंग करने वाले असल सनी देओल को दर्शकों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा था, फ्रंटीन पर आपकी दमदार उपस्थिति से लेकर सेट पर आपकी गर्मजोशी तक, हर दिन आपके साथ रहना एक खुशी की बात रही है, सर। हम सभी आपसे प्यार करते हैं। इससे पहले भी सनी देओल ने सेट का एक और वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने खुलासा किया था कि डांस स्टेप्स करना उनके लिए सबसे ज्यादा मुश्किल कामों में से एक है। अभिनेता ने बताया था कि कैसे गानों की शूटिंग के दौरान उन्हें बुखार भी आ जाता था और खुद को मानसिक रूप से तैयार करने के लिए 1 दिन

बेटी राहा के लिए बेहद सेंसिटिव हैं रणबीर कपूर, पत्नी आलिया भट्ट ने की तारीफ

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 2022 में शादी की थी। इसी साल कपल ने अपनी बेटी राहा का स्वागत किया। अपने हालिया इंटरव्यू में आलिया ने रणबीर के बेटी राहा के साथ रिश्ते के बारे में बात की और बताया कि वह उनके लिए कितने सेंसिटिव पिता हैं।

आलिया ने कहा कि उन्हें हमेशा से पता था कि रणबीर हाथों-हाथ अपने बच्चे को रखने वाले पिता बनेंगे। उन्होंने बताया, वह इस मामले में समझदार हैं। वह जितना दिखाते हैं उससे कहीं ज्यादा सेंसिटिव हैं। वह शर्मीले हैं, इसलिए बहुत कुछ रोक लेते हैं। लेकिन उसके साथ (राहा के साथ), वह बेहद एक्सप्रेसिव हो जाते हैं। उनकी आंखें, चेहरा, सबकुछ चमक उठता है। वह खुद बच्चे जैसे हो जाते हैं।

आलिया ने याद किया कि राहा के जन्म के शुरुआती दिनों में रणबीर ने काम से एक महीने की छुट्टी ली थी और घर पर रहे थे, क्योंकि वह ठीक नहीं थी और उसे सहारे की जरूरत थी। उन्होंने आगे कहा, वह शूटिंग के लिए जाते और घर दौड़कर वापस आते थे। सीधे कमरे में जाकर उसे देखते। एक्ट्रेस ने कहा कि अब 4

साल बाद भी रणबीर बच्ची के कैमरे पर नजर रखते हैं और जैसे ही राहा जागती है, वह तुरंत उसके साथ समय बिताने लगते हैं। जब राहा घर लौटती है तो वह लॉबी में इंतजार करते हैं। आलिया कहती है कि रणबीर का राहा के लिए प्यार बहुत स्पष्ट है।

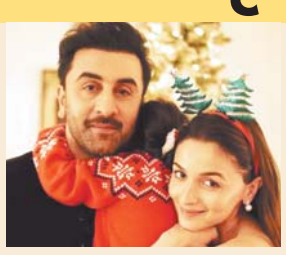

आलिया अक्सर सोशल मीडिया पर रणबीर और राहा के बॉन्ड की झलकियां देती हैं, जैसे उनकी छुट्टियों की तस्वीरें या रणबीर के जन्मदिन पर। पिता-बेटी की यह बॉन्डिंग यूजर्स और फैंस का दिल जीत लेती है। प्रोजेक्ट्स की बात करें तो आलिया भट्ट फिलहाल अपनी फिल्म अल्फा की रिलीज का इंतजार कर रही हैं।

मेट्रो बाजार

एसटीटी बढ़ोतरी से टैक्स कलेक्शन को नुकसान

मुंबई। जेरोधा के सह-संस्थापक नितिन कामथ ने सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को बार-बार बढ़ाने पर चिंता जताई है। उनका कहना है कि ज्यादा टैक्स लगाने से धीरे-धीरे शेयर बाजार में ट्रेडिंग गतिविधि कम हो रही है और इसका असर सरकार की कमाई पर भी पड़ रहा है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में नितिन कामथ ने बताया कि एसटीटी उस समय लागू किया गया था, जब लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एलटीसीजी) हटा दिया गया था। लेकिन बाद में जब एलटीसीजी दोबारा लागू कर दिया गया, तब भी एसटीटी को हर बजट में बढ़ाया जाता रहा। उन्होंने कहा कि बाजार में भागीदार होने के नाते उन्हें हर बजट से उम्मीद रहती है कि एसटीटी कम किया जाएगा, लेकिन हर साल यह बढ़ता ही जा रहा है। नितिन कामथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, ÷एक बाजार सहभागी के तौर पर मैं हमेशा उम्मीद करता हूं कि बजट में एसटीटी घटेगा, लेकिन यह हर साल बढ़ता जा रहा है। एसटीटी तब लाया गया था, जब एलटीसीजी शून्य कर दिया गया था, लेकिन अब एलटीसीजी वापस आ चुका है। कामथ ने बजट 2024 का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय फ्यूचर्स और ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेड पर एसटीटी में 60 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी की गई थी। उन्होंने बताया कि फ्यूचर्स पर एसटीटी 0.0125 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.02 प्रतिशत कर दिया गया, जबकि ऑप्शंस पर टैक्स 0.0625 प्रतिशत से बढ़कर 0.1 प्रतिशत हो गया।

देश में चीनी का उत्पादन 18 फीसदी बढ़ा महाराष्ट्र-यूपी और कर्नाटक सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय चीनी और जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (आईएसएमए) के मुताबिक, जनवरी में भारत का चीनी उत्पादन बढ़कर 195.03 लाख टन हो गया। यह पिछले सीजन की समान अवधि में 164.79 लाख टन था। इस तरह साल-दर-साल आधार पर उत्पादन में 18.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। आईएसएमए के अनुसार, फिलहाल देशभर में 515 चीनी मिलें परिचालन में हैं, जो पिछले साल इसी समय संचालित 501 मिलों से थोड़ा अधिक है। चीनी पेराई का सीजन आमतौर पर अक्तूबर से शुरू होता है।

आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य हैं और तीनों राज्यों में इस साल उत्पादन बढ़ा है। महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन 78.72 लाख टन तक पहुंच गया है, जो पिछले सीजन की समान अवधि के मुकाबले करीब 42 फीसदी अधिक है। राज्य में इस समय 206 मिलें चालू हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 190 थी।

दूसरे नंबर पर रहने वाले उत्तर प्रदेश ने जनवरी के अंत तक 55.1 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 2.5 लाख टन (लगभग 5 फीसदी) ज्यादा है, जिसे लगातार पेराई का समर्थन मिला। वहीं कर्नाटक में भी पेराई की रफ्तार बेहतर रही और उत्पादन में पिछले सीजन की तुलना में करीब 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आईएसएमए ने एक बार फिर चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य में संशोधन की मांग दोहराई है। संगठन ने कहा कि बढ़ती उत्पादन लागत के अनुरूप स्कमनें जल्द संशोधन करना उद्योग की वित्तीय स्थिरता, किसानों को समय पर गन्ना भुगतान और बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी है-और इससे सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

'मिनी कुंभ' में टूटे भीड़ के सारे रिकॉर्ड

माघी पूर्णिमा पर उमड़ा आस्था का महासैलाब

आज माघ मेले के पांचवें और सबसे महत्वपूर्ण स्नान पर्व 'माघी पूर्णिमा' के अवसर पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी पर आस्था का समंदर उमड़ा है। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद, श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 4 बजे से ही रवि पुष्य योग के दुर्लभ संयोग में डुबकी लगा रहे हैं। प्रशासन का दावा है कि पूर्णिमा पर 50 से 70 लाख श्रद्धालु 24 घाटों पर स्नान करेंगे। यह आंकड़ा एक करोड़ के पार भी जा सकता है।

न्यूज विंडो

पाकिस्तान ने सात भारतीय बंदियों को वापस भेजा

अमृतसर। करीब ढाई साल पहले बाढ़ के दौरान पाकिस्तान जा पहुंचे सात भारतीयों को पाकिस्तान ने वापस लौटा दिया है। वापसी की यह कार्यवाही कल अटारी -वाघा सीमा पर हुई। अटारी सीमा पर प्रोटोकॉल अधिकारी अरुण महल ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से सात कैदियों की रिहाई का आदेश आज भारत और पाकिस्तान दोनों को मिल गया था। पाकिस्तानी रेंजर्स ने सातों कैदियों को बीएसएफ को सौंप दिया। वहां से उन्हें औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सीमा शुल्क और आव्रजन कार्यालय लाया गया। इन सात नागरिकों में से चार फिरोजपुर जिले के, एक जालंधर का, एक लुधियाना का और एक उत्तर प्रदेश का है। ये सभी 2023 की बाढ़ के दौरान अपने जानवरों को बचाने की कोशिश में बहकर पाकिस्तान चले गए थे। पाकिस्तान से रिहा हुए एक भारतीय नागरिक ने कहा कि मेरे गांव में पुल गिरने के बाद तेज पानी के बहाव के कारण मैं पाकिस्तान चला गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने मेरे खिलाफ जानबूझकर सीमा पार करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया। मैं तीन महीने तक पाकिस्तानी जेल में रहा... उन्होंने हमें पीटा। पाकिस्तान में अन्य भारतीय कैदी भी हैं। उनकी शारीरिक हालत बहुत अच्छी नहीं है।

राम चरण बने जुड़वा बच्चों के पिता, बेटे और बेटी ने लिया जन्म

बेंगलुरु। साउथ सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कोनिडेला को जुड़वां बच्चे हुए हैं। एक्टर के पिता और मेगास्टार चिरंजीवी ने सोशल मीडिया पर एक बेटे और एक बेटी के आने की खुशखबरी दी। उन्होंने यह भी बताया कि 'मां और बच्चे दोनों स्वस्थ हैं।' राम चरण और उपासना अब तीन बच्चों के पेरेंट्स बन गए हैं। यह राम चरण और उपासना कामिनेनी के लिए दूसरी बार माता-पिता बनने का मौका है, इससे पहले 2023 में उनकी पहली बच्ची बेटी क्लिन कारा कोनिडेला का 20 जून 2023 को जन्म हुआ था। चिरंजीवी ने पोस्ट में लिखा था, 'बहुत खुशी और कृतज्ञता से भरे दिल के साथ, हम यह बताते हुए खुश हैं कि जुड़वां बच्चे हुए हैं- एक बेटा और एक बेटी। दोनों बच्चे और मां स्वस्थ हैं और ठीक हैं। इन नन्हे-मुन्नों का हमारे परिवार में स्वागत करना हमारे लिए दादा-दादी के तौर पर बहुत खुशी और भगवान का आशीर्वाद है। हम सभी को उनकी प्रार्थनाओं, प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं।'

मुंबई में प्रदूषण का अटैक, बढ़ते AQI के बीच छाई रही धुंध

मुंबई। आमतौर पर बढ़ती ठंड के साथ दिल्ली में सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मगर, इस बार प्रदूषण ने देश की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई पर धावा बोला है। बीते दिन को मुंबई का वायु प्रदूषण सूचकांक गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया। मुंबई में सुबह की शुरुआत धुंध के साथ हुई है। प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। वहीं, हल्की ठंड के बीच छाई धुंध स विजिबिलटी भी काफी कम हो गई है।मुंबई के कई इलाकों से प्रदूषण की चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। भारी धुंध के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगा है। मुंबई के प्रभादेवी में एल्फिंस्टन ब्रिज के आसपास AQI 258 दर्ज किया गया, जो स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक माना जाता है। मुंबई के AQI से बढ़ते प्रदूषण के स्तर का अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे में मुंबई में सांस लेना हर दिन 5 सिगरेट पीने के बराबर है।

अमेरिकी राष्ट्रपति का बड़ा दावा, कहा- चीन को भी तेल खरीदने का ऑफर

ईरान नहीं अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारतः ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेल खरीदने को लेकर फिर से एक बार नया बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि चीन वेनेजुएला का तेल खरीदना चाहता है तो उसका 'स्वागत' है। भारत ने पहले ही तेल खरीदने की डील कर ली है।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'चीन का स्वागत है, वह आए और तेल पर एक शानदार डील करे। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे ईरान से खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे। तो, हमने पहले ही डील का कॉन्सेप्ट बना लिया है। ' हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे ईरान से खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे जा रहे हैं, हमने पहले ही वह डील कर ली है, डील का कॉन्सेप्ट। लेकिन चीन का स्वागत है कि वह आए और तेल खरीदे।

इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि वेनेजुएला ने अमेरिका को 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है और उन्होंने इस डील पर सहमति दे दी है। सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड ट्रंप बुलेवार्ड रखने पर प्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, 'हम नए राष्ट्रपति के साथ डील कर रहे हैं। हम देश चलाने वाले बहुत से लोगों के साथ डील कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हमारे पास 50 मिलियन बैरल तेल है और हमें इसे तुरंत प्रोसेस करवाना है क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे? मैंने कहा, हम इसे लेंगे। यह 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। '

ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ 'अच्छे संबंधों' की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा, 'हमारे उन लोगों के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं जो अभी अंतरिम राष्ट्रपति हैं और बाकी सभी के साथ भी। बहुत सारा दबाव कम हो गया है।

रेवन्यू अमेरिकी सरकार के अकाउंट में रखा जा रहा है

मादुरो को पकड़े जाने के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वाशिंगटन ट्रांजिशन के दौरान वेनेजुएला को चलाएगा और उसे उनके देश में तेल और दूसरी चीजों तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित न्यूज़ आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वेनेजुएला के तेल की पहली बिक्री की है। सेमाफोर रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन के एक अधिकारी के मुताबिक,आदेश में बताए अनुसार, तेल बिक्री से होने वाला रेवेन्यू फिलहाल अमेरिकी सरकार द्वारा नियंत्रित बैंक अकाउंट्स में रखा जा रहा है। दूसरे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, मेन अकाउंट कतर में है।

पटना में यात्रियों से भरे ऑटो में ट्रक ने मारी टक्कर, 6 लोगों की मौत

बिहटा (पटना)। आज सुबह मनेर के उर्स मेला देख कर टेम्पू से घर लौट रहे लोगों को अनियंत्रित बेलगाम ट्रक ने जबरदस्त रूप से टक्कर मार दिया। घटना बिहटा-आरा मुख्य मार्ग में परेव,लेखन टोला के समीप बतायी जा रही है। दर्दनाक दुर्घटना में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। ऑटो में सवार आधा दर्जन लोगों की मौके वारदात पर मौत हो गयी। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई।

मौके पर बिहटा पुलिस ने दल बल के साथ पहुंच शव को कब्जे में लेकर घायलों को अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती करवाया है। वहीं पुलिस ने ट्रक को जप्त कर चालक को गिरफ्तार कर मामले की छानबीन शुरू कर दिया है।

मृतक की पहचान भोजपुर के आरा के चिक टोली निवासी गुड्डू कुमार(33),मो इम्तियाज उर्फ बुलेट(30),मो सहजाद (22) , दौलतपुर निवासी मो शहजाद का तीन वर्षीय पुत्री शफना एवं ढेड़ वर्षीय पुत्र मो अस्फी के रूप में की जा रही है। वहीं एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ऑटो में सवार सभी लोग अपने ही परिवार के बताए जा रहे है। सभी मनेर दरगाह से उर्स मेला देखकर रविवार को सुबह घर आरा लौट रहे थे।रास्ते में लेखन टोला के समीप आरा की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही बेलगाम ट्रक ने ऑटो में जबरदस्त रूप से धक्का मार दिया।

गुजरात में भीषण सड़क हाससा, मप्र के 3 की मौत

अहमदाबाद। गुजरात के बोटाद जिले में रानपुर के पास किनारा चौकड़ी पर शनिवार देर रात एक भयानक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में एक तेज रफ्तार कार की ने ईको कार को पूरी तरह से कुचल दिया।

गुजरात में हुए इस सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ये सभी लोग मध्य प्रदेश के रहने वाले थे और खेतीबाड़ी के काम के लिए गुजरात जा रहे थे। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के नलखेड़ा तहसील के पनाला गांव के रहने वाले लोग गुजरात के रानपुर इलाके के कुंडलि गांव जा रहे थे। धंधुका की ओर जाने वाले हाईवे से दो किलोमीटर आगे इनकी कार की टक्कर एक तेज रफ्तार ट्रक से हुई। ट्रक से टकराने के चलते हादसा इतना भयानक हुआ कि ईको कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। ट्रक से टक्कर के बाद कुछ लोगों के शव गाड़ी से निकलकर सड़क पर आ गए।

जुहू में निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर चार राउंड फायरिंग

मुंबई। मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री को हिला देने वाली घटना सामने आई है। मशहूर फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के जुहू में स्थित निवास के बाहर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में चार राउंड फायरिंग की आवाज सुनी गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप सा मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को सुरक्षित किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार पुलिस ने मामले में जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही इलाके को सील कर दिया गया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, जांच अभी जारी है और अब तक किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर सबूत जुटा रही हैं और फायरिंग के पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

घटना के तुरंत बाद का वीडियो: बता दें कि घटना

के तुरंत बाद रोहित शेट्टी के घर के बाहर की वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसमें पुलिस द्वारा उनके घर की सुरक्षा करते हुए देखा जा सकता है। इलाके को पेशेवर निगरानी में रखा गया है और अधिकारियों की निगरानी लगातार जारी है। पुलिस ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है और जांच पूरी होने तक और जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

बलूच विद्रोहियों का 48 पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमला, 84 सैनिकों की हुई मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 'आपरेशन हेरोफ' का दूसरा चरण शुरू करने का एलान किया। इसके तहत विद्रोहियों ने 48 जगहों पर एक साथ पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। पाकिस्तान की सेना और पुलिस बीएलए के निशाने पर है।

बीएलए ने 84 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने इसे कब्जा करने वाली ताकतों के खिलाफ निर्णायक प्रतिरोध करार दिया है। बीएलए ने 'आपरेशन हेरोफ' का पहला चरण अगस्त 2024 के अंत में शुरू किया था। इसका उद्देश्य

बलूचिस्तान में प्रमुख राजमार्गों और सेना शिविरों पर हमला करना था।

70 विद्रोहियों को मार गिराने का दावा: दूसरी तरफ, बलूचिस्तान सरकार ने 70 विद्रोहियों को मारने का दावा किया है। सरकार का कहना है देर रात से शनिवार दोपहर तक विद्रोहियों ने 12 स्थानों पर सुरक्षा बलों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों पर हमले किए। इन अभियानों में 10 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। विद्रोहियों ने यह अभियान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा पंजगुर और हरनाई में चलाए गए आपरेशन में 41 लड़ाकों की हत्या के बाद शुरू किया है।

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि ये हमले क्वेटा, ग्वादर, मकरम, हुब, चमन और नसीराबाद सहित विभिन्न स्थानों पर किए गए। इन हमलों में पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और नागरिकों को निशाना बनाया गया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने एक पोस्ट में कहा कि शुक्रवार रात को शुरू हुआ अभियान शनिवार शाम को भी जारी है। एक संघीय मंत्री ने कहा कि बीएलए के लड़ाकों ने ग्वादर में नागरिकों की हत्या की।

मेट्रो एंकर

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी को लेकर किया बड़ा दावा

नवजोत रोज पीती हैं गोमूत्र, इसी से ठीक हुआ कैंसर

चंडीगढ़, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने से पहले वह गौरी गोपाल आश्रम पहुंचीं, जहां आश्रम प्रमुख और कथा व्यास अनिरुद्धाचार्य से उनकी मुलाकात हुई। इस दौरान डॉ. नवजोत कौर ने उन्हें अपनी कैंसर से जुड़ी कहानी सुनाई। उनके ये वीडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किए गए हैं। नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य को बताया कि वो रोजाना गोमूत्र से स्नान करती हैं। इसके साथ ही वह नियमित रूप से गोमूत्र का सेवन भी करती हैं। डॉ. नवजोत कौर का मानना है कि कैंसर को हराने में गोमूत्र एक

बड़ी दवा साबित हुआ। उन्होंने प्रेमानंद महाराज जी से भी मुलाकात की थी।

ये वीडियो अनिरुद्धाचार्य ने अपने इंस्टाग्राम पेज में शेयर किया है। इस वीडियो में वो कहते हैं कि ये हमारी सिद्धू पाजी की धर्मपत्नी और हमारी मैय्या जी। इन्होंने बताया कि वो आज भी गोमूत्र से स्नान करती हैं और इसका सेवन करती हैं। जो लोग गौमाता और गोमूत्र का मजाक उड़ाते हैं, इन्होंने अपने कैंसर आयुर्वेदिक दवाइयों के दम पर ठीक किया जो स्वयं डॉक्टर हैं। इन्होंने कैंसर जैसी बीमारी जो फोर्थ स्टेज पर थी, उसे हराकर जीत हासिल की। डॉक्टरों ने मना किया था और कहा था कि वो चार हफ्ते जीवित रहेंगी। आज वो चार सालों से जिंदा हैं। आगे वो कहते हैं कि गोमाता और आर्युवेदिक डाइट की वजह से। भगवान इन्हें और खूब लंबी आयु दे।

डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने छोड़ी कांग्रेस

पंजाब राजनीति में एक और बड़ा उलटफेर हुआ है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी छोड़ने का एलान कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनके पास वडिंग को 'बर्बाद' करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं, लेकिन अब इसमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। नवजोत कौर ने कांग्रेस को 'काबिल नेताओं की आवाज दबाने वाली' पार्टी बताते हुए विदाई ली। बता दें कि नवजोत कौर को दिसंबर 2025 में ही पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। वजह थी उनकी विवादित बयानबाजी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद पाने के लिए '500 करोड़ रुपये का सूटकेस' देना पड़ता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564